khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

शुक्रवार – 22 सितम्बर 2023

वर्ष : 02 – अंक : 326

पृष्ठ–8 मूल्य – 1: 00 रूपये

आरएनआई :

UPHIN/2021/82210

हिन्दी दैनिक

खबर

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

दृष्टिकोण

2 गणेश चतुर्थी 2023: वेरोनिका वानीज बप्पा के लिए घर पर ...

3 बुजुर्ग शिक्षक की बाइक गड्ढे में कूदी, उछलकर पत्नी गड्ढे...

5 27 अपात्रों को लाभ...खाते में भेजे 10.80 लाख, अभी तक सिर्फ...

विशेष योग्यजन एवं 80 वर्ष से अधिक आयु के मतदाता घर बैठे कर सकेंगे मतदान

भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission of India

उदयपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष योग्यजन और वरिष्ठ नागरिकों को चुनावी प्रक्रिया में शामिल करने के लिए प्रतिबद्धता जताते हुए पहली बार घर बैठे मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर अरविन्द पोसवाल ने बताया कि विशेष योग्यजन तथा अधिक आयु वाले मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंच कर मतदान करने में काफी असुविधा रहती है। निर्वाचन आयोग कोई भी मतदाता पीछे न छूटे के सिद्धान्त पर काम कर रहा है। आयोग ने अपने इस सिद्धान्त को हासिल करने के लिए इस बार ऐसे मतदाताओं के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध कराई है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष सुराणा ने बताया कि इसके तहत बेंजमार्क डिसेबिलिटी वाले विशेष योग्यजन (एवीपीडी) एवं 80 वर्ष से अधिक उम्र वाले वरिष्ठ नागरिक जन (एवीएससी) फॉर्म 12डी के माध्यम से डाक मतपत्र के विकल्प का उपयोग कर सकते हैं। डाक मतपत्र से मतदान करने के इच्छुक उक्त श्रेणी अनुपस्थित मतदाता विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी को फॉर्म 12 डी में चाही गई सूचनाएं देते हुए आवेदन करेंगे। यह आवेदन रिटर्निंग अधिकारी के पास चुनाव की घोषणा होने की दिनांक से अधिसूचना जारी होने की तिथि के 5 दिवस तक की अवधि में पहुंच जाएंगे।

प्राप्त फॉर्म 12डी के अनुसार डाक मतपत्र जारी किए जाएंगे तथा वास्तविक मतदान तिथि से पूर्व इन सभी मतदाताओं को मतदान दलों के माध्यम से घर-घर जाकर मतदान सम्पादित करवाया जाएगा। जिन मतदाताओं ने फॉर्म 12डी में आवेदन किया है उन्हें मतदान केन्द्र पर मतदान की अनुमति नहीं होगी। मतदाता सूची की चिन्हित प्रति में उनके नाम के आगे पीबी (पोस्टल बेलेट) अंकित किया जाएगा। प्रतिदिन जारी होने वाले 12डी प्रपत्र प्राप्त होने वाले आवेदन का रिकार्ड रिटर्निंग अधिकारी द्वारा संधारित किया जाएगा। साथ ही मतदान के समय भी मतदाता के इसमें हस्ताक्षर होंगे।

27 साल बाद आया ऐतिहासिक दिन

महिला आरक्षण विधेयक को संसद की मंजूरीय लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी पारित

नई दिल्ली। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के प्रावधान वाला 128वां संविधान संशोधन विधेयक गुरुवार को राज्यसभा में पास हो गया। दिनभर की लंबी चर्चा के बाद इसे पारित कर दिया गया। बिल के पक्ष में 214 वोट पड़े, जबकि किसी ने भी बिल के खिलाफ वोट नहीं डाला।इसी के साथ संसद और विधानसभाओं में महिला सशक्तिकरण की राह में बीते 27 साल से पड़ा सूखा खत्म हो गया और नए संसद भवन ने पहले ही सत्र में नारी शक्ति का वंदन करने का नया इतिहास रच दिया। इससे पहले विधेयक को बुधवार को लोकसभा से मंजूरी मिल गई थी। लोकसभा ने भी इस बिल को दो तिहाई बहुमत के साथ पास किया था। इसके पक्ष में 454 और विरोध में दो वोट पड़े थे।विधेयक के पास होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा में एक निर्णायक क्षण है। 140 करोड़ भारतीयों को बधाई। मैं उन सभी राज्यसभा सांसदों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए वोट किया। इस तरह का सर्वसम्मत समर्थन वास्तव में खुशी देने वाला है। संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित होने के साथ, हम भारत की महिलाओं के लिए मजबूत प्रतिनिधित्व और सशक्तिकरण के युग की शुरुआत करते हैं।उन्होंने कहा कि यह महज एक विधान नहीं है, यह उन अनगिनत महिलाओं को श्रद्धांजलि है जिन्होंने हमारे देश को बनाया है। भारत उनके लचीलेपन और योगदान से समृद्ध हुआ है। जैसा कि हम आज मनाते हैं, हमें

अपने देश की सभी महिलाओं की ताकत, साहस और अदम्य भावना की याद आती है। यह ऐतिहासिक कदम यह सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता है कि उनकी आवाज को और भी अधिक प्रभावी ढंग से सुना जाए।

करीब आठ घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ बिल

सरकार की ओर से भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने कांग्रेस पर इस विधेयक को जानबूझ कर लटकाने का आरोप लगाया। खरगे ने इसे भाजपा और मोदी सरकार का चुनावी शिगूफा बताया। उन्होंने पूछा कि आखिर इसे विधेयक को आगामी लोकसभा चुनाव में लागू क्यों नहीं किया जा रहा है? करीब आठ घंटे की चर्चा का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भाजपा देश की इकलौती पार्टी है जिसने महिला सशक्तिकरण के मामले में अपने रुख में परिवर्तन नहीं किया। इंडिया गठबंधन के अलावा बसपा ने भी विधेयक के संदर्भ में कई सवाल उठाए।

राज्यसभा में एक भी दल ने नहीं किया विरोध

विधेयक को राज्यसभा ने सर्वसम्मति से पास किया। लोकसभा में बुधवार को एआईएमआईएम को छोड़ कर सभी दलों ने विधेयक का समर्थन किया था। इस दल का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व नहीं है, इस वजह से यह सर्वसम्मति से पास हो गया। हालांकि, बिल को जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए जनगणना के बाद परिसीमन का इंतजार करना होगा। फिलहाल उम्मीद जताई जा रही है कि 2029 के लोकसभा चुनाव तक इससे जुड़ा संविधान का 129वां संशोधन अधिनियम लागू हो सकता है।

राज्यसभा में प्रधानमंत्री मोदी को दी गई जन्मदिन की बधाई

राज्यसभा में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके जन्मदिन की बधाई दी गई। सभापति जगदीप धनखड़ ने लोकसभा एवं राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण के प्रावधान वाले 'संविधान (128वां संशोधन) विधेयक, 2023' पर मतदान के दौरान कहा कि इस विधेयक को पारित करने के समय यह सुखद संयोग है कि आज ही प्रधानमंत्री का जन्मदिन है। भारतीय पंचांग तिथि गणना के अनुसार प्रधानमंत्री का जन्मदिन है। उन्होंने प्रधानमंत्री को जन्मदिन की बधाई दी। इसके बाद सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाकर प्रधानमंत्री को उनके जन्मदिन की बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दोनों हाथ जोड़कर सभापति एवं सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

क्या है महिला आरक्षण विधेयक?

पिछले दो दशक से अधिक समय से शायद ही कोई संसद सत्र होगा जिसमें महिला आरक्षण की बात न उठी हो। इस बार दोनों सदनों से पास हुआ बिल संविधान संशोधन विधेयक है, जिसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम नाम दिया गया है। इसके अंतर्गत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी सीटों पर आरक्षण का प्रावधान है। इसी 33 फीसदी में से एक तिहाई सीटें अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाओं के लिए आरक्षित की जानी है।

अगले 5 दिनों तक झमाझम बारिश के आसार

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग अगले पांच दिनों तक देश के कई इलाकों में झमाझम बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के मुताबिक, महाराष्ट्र, गुजरात और ओडिशा समेत कई राज्यों में अच्छी खासी बारिश होने की संभावना है। उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और निकटवर्ती उत्तरी ओडिशा तटों पर कम दबाव के क्षेत्र के कारण अगले पांच दिनों के दौरान पूर्वी और आसपास के मध्य भारत में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी के अनुसार, अगले पांच दिनों के दौरान देश के बाकी हिस्सों में छिटपुट से हल्की और मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, मौसम कार्यालय ने संभावित भारी बारिश को देखते हुए ओडिशा के कई क्षेत्रों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

पूर्वी भारत: आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, 21-22 सितंबर को पश्चिम बंगाल, सिक्किम, ओडिशा और झारखंड में गरज के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है। इसके अलावा 21 सितंबर को ओडिशा और 21-22 सितंबर को पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बहुत भारी वर्षा होने की उम्मीद है। 21-23 सितंबर को बिहार के कुछ हिस्सों में आंधी के साथ बारिश की भी संभावना है। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 22-24 सितंबर तक बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत: 20-23 सितंबर के बीच अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नागालैंड और मणिपुर में भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

मध्य भारत: 20-23 सितंबर तक छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिम मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में गरज और बिजली के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि 21 सितंबर को छत्तीसगढ़ में बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

दक्षिण भारत: केरल, तटीय आंध्र प्रदेश, तटीय कर्नाटक और तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। केरल में 20-21 सितंबर को भारी बारिश होने की संभावना है। तमिलनाडु में 21-22 सितंबर को बारिश की उम्मीद है।

उत्तर पश्चिम भारत: 22 सितंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में गरज के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है।

जम्मू में पहली बार भारतीय वायुसेना का एयर शो आज

सूर्य किरण एरोबैटिक टीम हॉक एमके 132 विमान से ताकत दिखाएगी

श्रीनगर। जम्मू एयरफोर्स स्टेशन में पहली बार भारतीय वायुसेना का एयर शो होने वाला है। यह शो 22 सितंबर को सुबह 9 बजे से 11 बजे तक चलेगा। इस दौरान लोगों के लिए एयर अवेयरनेस इवेंट भी होगा। जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के 76 साल पूरे होने और जम्मू वायु सेना स्टेशन की डायमंड जुबली पर इस शो का आयोजन हो रहा है।

इस एयर शो में सूर्य किरण एरोबेटिक टीम हॉक एमके 132 विमान से देश की ताकत दिखाएगी। इसके अलावा, MI-17 हेलीकॉप्टरों के डिस्प्ले के साथ एयर वॉरियर ड्रिल टीम, आकाशगंगा डेयरडेविल स्काई डाइविंग टीम आसमान में अपने करतब दिखाएंगी।

शो में भारतीय वायुसेना के एयर वॉरियर सिम्फनी ऑर्केस्ट्रा का भी प्रदर्शन किया जाएगा। सुखोई फाइटर जेट इसमें हिस्सा नहीं ले रहा है। इस शो को आम लोग भी देख सकेंगे। 20 सितंबर को भारतीय वायु सेना के जवानों ने इस शो को लेकर रिहर्सल भी की।

सूर्यकिरण एरोबैटिक टीम के विंग कमांडर सिधेश कार्तिक ने बताया कि यह 25 मिनट का शो है। इसे दो भागों में परफॉर्म किया जाएगा। पहले भाग में 9 विमानों के साथ अलग-अलग फॉर्मेशन बनाए जाएंगे और अलग-अलग वॉरफेयर होगा। यह हिस्सा फ्लाइट्स की सटीकता को दर्शाएगा।

दूसरे भाग में एरोबैटिक टीम खुद को छोटी यूनिट्स में बांटकर और ज्यादा रोमांचक स्टंट करने के लिए जमीन के करीब आती है। इन स्टंट्स से बताने की कोशिश करते हैं कि एक आधुनिक लड़ाकू विमान क्या कर सकते हैं।

पिछले हफ्ते एयर शो जयपुर में हुआ था

इससे पहले, 15 सितंबर को राजस्थान के जयपुर में जलमहल के ऊपर IAF के 9 हॉक विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए थे। करीब एक घंटे तक सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने एयर शो किया था। इसमें तीन पायलट जयपुर के थे। सभी विमानों ने जयपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी।

हापुड़ में सड़क हादसा, चार मरे दो घायल

हापुड़। उत्तर प्रदेश में हापुड़ जिले के धौलाना क्षेत्र में एक बेकाबू कैंटर के ढाबे में घुसने के चार लोगों की मौत हो गयी जबकि दो अन्य घायल हो गये। अपर पुलिस अधीक्षक सर्वेश मिश्र ने गुरुवार को बताया कि गाजियाबाद-दादरी राजकीय राजमार्ग पर खिर्जाबाद रोड पर बुधवार देर रात एक तेज रफ्तार कैंटर सड़क किनारे ढाबे की दीवार तोड़ कर भीतर प्रवेश कर गया। घटना के समय कुछ लोग भोजन कर रहे थे। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि दो अन्य ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। हादसे में घायल दो

अन्य का इलाज दादरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर चल रहा है जिनकी हालत खतरे से बाहर बतायी जाती है। उन्होने बताया कि मृतकों की पहचान एटा जिला निवासी अरूण और कासगंज निवासी जितेंद्र (18) के तौर पर की गयी है। दोनो ढाबा कर्मचारी बताये जाते हैं। अन्य दो मृतकों की शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे हैं। हादसे के बाद कैंटर चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

सड़क पर चिपकाए उदयनिधि के पोस्टर, जूते-चप्पल रखकर जा रहे भक्त

सनातन मामले में अनोखा विरोध

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम में जगह-जगह गणेश पंडाल सज रहे हैं। भगवान गणेश की मूर्ति पंडाल लगाकर बिठाई गई हैं। वहीं रतलाम के मित्र निवास कॉलोनी रोड पर गणेश पंडाल के सामने तमिलनाडु के सीएम और उनके पुत्र दोनों के पोस्टर नीचे रोड पर चिपका दिए गए हैं। कई फोटो रोड पर बड़े-बड़े चिपके हुए दिखाई दिए जि पर से लोग वाहन लेकर और जूते चप्पल लेकर निकल रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीएम के पुत्र को मालूम होना चाहिए कि उनकी औकात क्या है। यहां दर्शन करने आने वाले लोगों और जनता के जूते चप्पल में दिखेंगे यह लोग। दरसअल,

स्थानीय निवासी मनीष पांचाल ने बताया कि सीएम के पुत्र ने सनातन धर्म की जो तुलना बीमारियों से की थी उससे हम बहुत आहत हैं। इसलिए हमने उनकी फोटो जमीन पर लगाई है ताकि मालूम पड़े कि लोग उससे गुजरे हैं जूते चप्पल लेकर। इससे उन्हे अपनी औकात मालूम होगी। उदयनिधि के पोस्टर्स में लिखा है- तू क्या मिटाएगा, तेरे बाप में भी दम नहीं है जो मिटा पाएेगा। पंडाल में आने वाले लोग पोस्टर के ऊपर जूते-चप्पल लेकर चल रहे हैं। वहीं इसके ऊपर से वाहन भी गुजर रहे हैं।

मंदिर की सीढ़ियों पर लगाए थे पोस्टर

इससे पहले इंदौर में मंदिर की सीढ़ियों पर उदयनिधि की फोटो लगाई गई थी, जिसपर भक्त पैर रखकर आते-जाते दिख रहे थे। इसे हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने लगाया था। उका कहना था कि जो भी भक्त मंदिर में दर्शन करने के लिए आ रहे हैं, वह इसपर पैर साफ कर रहे हैं। उसके बाद मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। मंच के जिला संयोजक कन्नू मिश्रा ने कहा था कि उदयनिधि ने हमारी भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। इसलिए हमने सीएम के बेटे की तस्वीरों को मंदिर की सीढ़ियों पर लगाया है। हम उनका विरोध कर रहे हैं जो आगे भी जारी रहेगा।

सुअर पर चिपकाए पोस्टर–जबलपुर के एक बीजेपी पार्षद जीतू कटारे ने उदयनिधि के खिलाफ अनोखे अंदाज में अपना विरोध जताया। उन्होंने सुअरों पर उदयनिधि के पोस्टर चिपका दिए। उन्हें खाना भी खिलाया। इसके बाद उनकी फैशन परेड कराई।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला

राष्ट्रपति मुर्मू ने इंटरनेशनल ट्रेड फेयर का किया शुभारंभ

नोएडा (संवाददाता)। पहले उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय व्यापार शो के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ष्यह उत्तर प्रदेश का पहला ट्रेड शो है... उत्तर प्रदेश ने पिछले 6 वर्षों में एक बिमारू राज्य से उभर कर आज देश की अर्थव्यवस्था के एक समृद्ध राज्य की ओर कदम बढ़ाया है और उसको प्रदर्शन करने का अवसर अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो हमारे सामने है...

देखने को मिलेगा मिनी ऑटो एक्सपो

यूपी अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में लोगों को हॉल नंबर 12 में मिनी ऑटो एक्सपो भी देखने को मिलेगा। वहां पर

ऑटोमोबाइल जगत की 32 कंपनियां अपने वाहनों का प्रदर्शन करेंगी। ज्यादातर वाहन इलेक्ट्रिक होंगे। इनमें कीया, एमजी मोर्ट्स, टाटा, मारुति, रेनॉल्ट, हुंडई समेत अन्य बड़ी–बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियां है। कई दोपहिया कंपनियों के वाहन भी देखने को मिलेंगे।

रजिस्ट्रेशन के आधार पर मिलेगा प्रवेश

अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि बिजनेस ऑवर सुबह 11 से दोपहर तीन बजे तक होगा। रजिस्ट्रेशन के आधार पर उनको प्रवेश मिलेगा। वहीं दोपहर तीन बजे से शाम आठ बजे तक आम जनता को निशुल्क प्रवेश मिलेगा। लोगों को किसी तरह की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। इसकी पूरी व्यवस्था की गई है।

मेले में 54 जीआई उत्पाद भी देखने को मिलेंगे

प्रदेश सरकार के अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि एक जनपद एक उत्पाद योजना के साथ 54 जीआई उत्पाद भी मेले में देखने को मिलेंगे। मेले में 60 से अधिक देशों के बायर्स आ रहे हैं। जबकि बिजनेस ऑवर के लिए अब तक 68 हजार से अधिक पंजीकरण हो चुके है।

प्रतिष्ठित उद्यमियों के साथ नए उद्यमियों को भी मौका

प्रतिष्ठित उद्यमियों के साथ–साथ उन नए उद्यमियों को मौका दिया गया है। जिन्होंने पिछले दो से तीन साल में अपना कारोबार (स्टार्टअप) शुरू किया है। इनके अलावा महिला उद्यमियों को भी अलग से एक मंच मिलेगा।

दो हजार से अधिक उत्पादक और 300 ब्रांड ले रहे हैं भाग

पांच दिवसीय व्यापार मेले में दो हजार से अधिक उत्पादक और 300 ब्रांड भाग ले रहे हैं। एक्सपो मार्ट के अलग–अलग हॉल में सभी के स्टॉल लगे हैं। सरकार ने सभी प्रकार के उत्पादकों को मेले में बुलाया है। प्रदेश सरकार अपर मुख्य सचिव अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि मेले में यूपी के 75 जिलों के उद्यमी अपने उत्पादों को प्रदर्शित करेंगे। प्रदेश से निर्यात होने वाले सभी उत्पाद मेले में मौजूद रहेंगे।

आवश्यकता है

आवश्यकता है, उ0प्र0 राजधानी लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र खबर दृष्टिकोण ,वेब पोर्टल व चैनल को मंडल स्तर/जिला स्तर/तहसील स्तर व ब्लाक स्तर पर पार्टनर/क्षेत्रीय पार्टनर/ब्यूरो/सवांददाता की। पत्रकारिता जगत से जुड़ने के लिए इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करे ।

संपर्क नं.

8840277268/522–4073793

ई मेल–

khabardrishtikon@gmail.com

Website :

www.khabardrishtikon.com

Off Add- 6A/101,Sector&6 Vrindavan Yojana Rai Bareli Road Lucknow.

गणेश चतुर्थी 2023: वेरोनिका वानीज बप्पा के लिए घर पर मोदक बनाने के लिए तैयार!

खबर दृष्टिकोण।

वेरोनिका वैनिज एक काफी खूबसूरत और बेहतरीन अभिनेत्री है। उन्होंने अपने अभिनय से लोगों का दिल जीत लिया है। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म श्नॉन स्टॉप धमालश में उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई और अपने अभिनय से लोगों का ध्यान खींचा है। इस फिल्म की सफलता के बाद अभिनेत्री बेहतरीन भूमिका करने के लिए बेताब है। काम के साथ साथ वेरोनिका वैनिज धार्मिक कार्यों

के लिए भी अपना समय निकलती है। और हम यह कह सकते है की वे आध्यात्मिक भी है। क्योंकि हर साल वह गणेश चतुर्थी को खूब अच्छे से मानती है। और इस बार उनकी बप्पा के साथ साथ अपने दोस्तों और परिवारवालों के लिए घर पे मोदक बनाने की योजना है। इस बारे में वह कहती है, गणेश चतुर्थी मोदक के बिना अधूरी है और मोदक किसे पसंद नहीं है? मुझे यकीन है कि अंदर से, हम सभी इस दौरान स्वादिष्ट मोदक खाने के लिए उत्सुक रहते हैं। काम के मोर्चे पर मेरे लिए एक अच्छा समय चल रहा है और इसीलिए, मैं मैं बप्पा का आशीर्वाद लेना चाहता थी ताकि मैं बेहतर काम करने के लिए और कड़ी मेहनत कर सकूं। इसलिए, मैंने फैसला किया कि इस साल, मैं घर पर खुद मोदक बनाऊंगी। ये मेरे दोस्तों और परिवारवालों के लिए भी एक ट्रीट होगी। तो हां, मैं इसका इंतजार कर रही हूँ। सभी को गणेश चतुर्थी 2023 की बहुत–बहुत शुभकामनाएं। सभी को आशीर्वाद और खुशी मिले।

दो बाइको की टक्कर में मासूम बच्चो समेत छः घायल,एक की हालत गम्भीर

मोहनलालगंज। निगोहां गांव निवासी राकेश गौतम गुरूवार की सुबह बाइक पर अपने तीन बच्चो करन,यस,शिवानी समेत भतीजे अरून को बिठाकर नगराम मोड़ स्थित स्कूल छोड़ने जा रहा था,जैसे ही वो निगोहां थाने के सामने पहुंचा ही था कि पीछे से आयी तेज रफ्ता बाइक ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी,जिसके बाद बच्चो समेत वो छिटककर दूर जा गिरा।दुर्घटना में राकेश गौतम समेत बच्चे करन,यस,शिवानी,अरून समेत टक्कर मारने वाला दूसरी बाइक का चालक मोहनलाल निवासी महुली मजरा समेसी भी घायल हो गया।घायल बच्चो को परिजनो ने निजी अस्पताल में भर्ती कराया है,जब कि घायल मोहनलाल की हालत गम्भीर देख बछरांवा सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।इंस्पेक्टर विनोद यादव ने बताया दुर्घटनाग्रस्त दोनो बाइको को कब्जे में ले लिया गया है।

खबर एक नजर में

ट्रक ने मारी कार में टक्कर, चालक घायल

मोहनलालगंज।निगोहां थाना क्षेत्र के नगराम मोड़ पर बीते बुद्धवार की देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने कार में जोरदार टक्कर मार दी,दुर्घटना में कार चालक संदीप सोनकर निवासी कैंट गम्भीर रूप से घायल हो गया।दुर्घटना के बाद ट्रक को मौके पर छोड़कर चालक फरार हो गया।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल चालक संदीप को एम्बुलेंस की मदद से इलाज के लिये मोहनलालगंज सीएचसी भेजने के साथ ही परिजनो को सूचना दी।पुलिस दुर्घटना करने वाले ट्रक को कब्जे मे लेकर चालक की तलाश की तलाश में जुट गयी हैं।

राजकीय आईटीआई के रोजगार मेला में 200 युवाओं को मिला रोजगार

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। राजकीय आईटीआई, अलीगंज, लखनऊ में रोजगार मेले का उद्घाटन प्रधानाचार्य राज कुमार यादव द्वारा किया गया। उनके द्वारा मेले में अभ्यर्थियों को कम्पनियों में मेहनत एवं लगन से काम करने के लिए प्रेरित किया। ट्रेनिंग काउंसलिंग एवं प्लेसमेन्ट अधिकारी एम ए खाँ ने बताया गया कि रोजगार दिवस में लगभग 600 अभ्यर्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया जिसमें कुल 16 कम्पनियों द्वारा 200 अभ्यर्थियों को 8000 से 25,000 रुपये प्रतिमाह के वेतन एवं अन्य सुविधाओं के साथ जॉब के आफर दिये गये तथा यह भी कहा कि जो अभ्यर्थी रोजगार दिवस में चयन से वंचित रह गये है वे अभ्यर्थी 03 अक्टूबर 2023 को राजकीय आई0टी0आई0 अलीगंज, लखनऊ में होने वाले वृहद रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं जिसमें लगभग 100 कम्पनियाँ 10,000 रिक्तियों के सापेक्ष चयन करेगी।

जीआरपी चारबाग ने दबोचा 5000 का इनामिया कब्जे से 55000 रुपए का लैपटॉप बरामद

रेलवे स्टेशन से चलती ट्रेन मे यात्रियों के मोबाइल, पर्स व ज्वैलरी चोरी करने वाला शातिर गिरफ्तार।

शातिर के कब्जे से चोरी का लैपटॉप, माउस, चार्जर,एटीएम बरामद।

खबर दृष्टिकोण

संवाददाता राकेश गुप्ता।

लखनऊ। लखनऊ चारबाग जीआरपी ने रेलवे स्टेशन स्थित सर्कुलेटिंग एरिया मे बने नलकूप के पीछे मुखबिर कि सूचना के दौरान एक शातिर को चोरी के लैपटॉप के साथ गिरफ्तार किया गया। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक संजय खरवार ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर कि सूचना के आधार पर एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया है जिसके कब्जे से एक लैपटॉप माउस व चार्जर बरामद किया गया है जिसकी कीमत करीबन 55000 रुपए के आसपास होगी।शातिर चलती ट्रेन से यात्रियों के मोबाइल फोन व कैश ज्वैलरी चोरी कर रफू चक्कर हो जाता है। शातिर 5000 रुपए का इनामिया है गैंगस्टर एनडीपीएस में जेल जा चुका है पूर्व में पांच जगहों से मुकदमे दर्ज हैं।पूछताछ करने पर शातिर ने बताया कि मै चलती ट्रेन मे,आउटर पर खडी ट्रेन से व प्लेटफार्म पर यात्रियों के सो जाने पर व भीडभाड़ मे मोबाइल, पर्स व ज्वैलरी व सामान की चोरी करता हूं। उपरोक्त सामान 01 लैपटॉप एचपी कम्पनी, 01 माउस एचपी कम्पनी, 01 चार्जर सैमसंग कम्पनी, आईकाई ऑप्टूम कम्पनी व एटीएम एसबीआई 03 दिन पहले सद्भावना एक्सप्रेस से चोरी किया था उपरोक्त लैपटॉप व अन्य सामान को आज बेचने वाला था।गिरफ्तार शातिर ने अपना परिचय देते हुए बताया।अमित कुमार गुप्ता पुत्र स्व0 सुनील गुप्ता नि0 मूँगफली मंडी 251/50 रकाबगंज थाना वजीरगंज जनपद लखनऊ। फिलहाल पकड़े गए शातिर को न्यायिक हिरासत में जेल भेजे दिया गया है।

घर में अकेली किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

नगराम थाना क्षेत्र के बघौली गांव में घर में अकेली किशोरी ने फांसी लगाकर दी जान

मोहनलालगंज। नगराम थाना क्षेत्र के बघौली गांव में घर में अकेली किशोरी ने फांसी लगा कर जान दे दी।परिजनो की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक किशोरी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा। नगराम के बघौली गांव में किसान हरिश्चन्द्र अपनी पत्नी शांति व बेटियों शिवानी,संजू,दिव्यांशी,अंशिका के साथ रहता है।हरिश्चन्द्र ने बताया गुरूवार को वो काम पर चला गया,पत्नी शांति व बेटी संजू खेत में काम करने चली गयी,दो बेटियां दिव्यांशी व अंशिका मोहल्ले में खेलने चले गये,तभी घर में अकेली बड़ी बेटी शिवानी(16वर्ष) ने घर के कमरें की छत में लगे कुंडे में साड़ी के फंदे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जान दे दी,दोपहर बाद पत्नी शांति खेत से लौटी तो बेटी शिवानी का शव कमरे में साड़ी के फंदे से लटकता देख चीख पड़ी।जिसके बाद मौके पर ग्रामीणो की भीड़ लग गयी।सूचना के बाद अतिरिक्त इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार गौतम ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल के बाद मृतक किशोरी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा।अतिरिक्त इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार गौतम ने बताया प्रथम दृष्टया जांच में किशोरी के आत्महत्या करने के कारणो का पता नही चल सका है।

दवा का सघन एवं नियमित छिड़काव हो ताकि आमजन को मक्खी–मच्छर से निजात मिल सके

सुरेश कुमार खन्ना ने लखनऊ में डेंगू के बढ़ रहे मामलों के संबंध में जिलाधिकारी एवं नगर आयुक्त को इससे बचाव एवं उपचार हेतु प्रभावी कार्यवाही करने के दिये निर्देश

स्वच्छ पेयजल का विशेष ध्यान रखा जाए, स्वच्छ पानी की सप्लाई ही घरों में हो

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य तथा लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने जनपद लखनऊ में डेंगू के बढ़ रहे मामलों के संबंध में जिलाधिकारी लखनऊ एवं नगर आयुक्त, नगर निगम, लखनऊ को पत्र लिखकर इससे बचाव एवं उपचार हेतु प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि डेंगू के मरीज शहर में लगातार बढ़ रहे हैं, जो एक खतरनाक संकेत है, इसके लिए बचाव और उपचार दोनों आवश्यक हैं।

प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि लखनऊ में दवा का सघन एवं नियमित छिड़काव हो ताकि आमजन को मक्खी–मच्छर से निजात मिल सके। जहाँ भी जल जमाव की समस्या है, वहाँ पर मच्छरों का प्रकोप अधिक है, जिस कारण डेंगू जैसी बीमारियां पैदा होती है। इसके दृष्टिगत ऐसे स्थानों को चिन्हित कर विशेष अभियान चलाये जाये। उन्होंने कहा है कि त्योहारों का भी मौसम आ रहा है,

जिसमें रामलीला का मंचन एवं विभिन्न आयोजन भी अनेक स्थानों पर होगा, जिसके लिए जरुरी है कि सघन सफाई अभियान का सप्ताह व पखवाड़ा घोषित करके स्वच्छता एवं फागिंग का कार्य कराया जाये। कूड़ा आदि का निस्तारण भी लगातार कराया जाये। खन्ना ने नगर निगम के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि स्वच्छ पेयजल का विशेष ध्यान रखा जाए। स्वच्छ पानी की सप्लाई ही घरों में हो यह सुनिश्चित किया जाए। प्रभारी मंत्री ने पत्र में यह भी कहा है कि स्थान–स्थान पर बहुत से कार्यकर्ता स्वच्छता एम्बेस्डर भी बनना चाहते हैं, उनको बनाया जाए। साथ ही स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समितियों को बहाल करने की आवश्यकता है। इसके लिए भी समुचित कार्यवाही पूर्ण की जाए।

दिव्यांगजनों के हितों के लिए नियमित रूप से मोबाईल कोर्ट का आयोजन विभिन्न जनपदों में किया जाय

पिछड़ा वर्ग कल्याण मे संचालित कम्प्यूटर कोर्स मे छात्रों की शत प्रतिशत बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज की जाय

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने गुरूवार को विधानसभा नवीन भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभागों में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर गुणवत्ता को परखते हुए समयबद्ध रूप से कार्य पूरे कराये जाय। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि पिछड़ावर्ग कल्याण विभाग मे संचालित शादी अनुदान योजना में आयसीमा की तुलना अन्य विभागों में संचालित शादी अनुदान योजना से करते हुए आयसीमा एक जैसी रखी जाय। उन्होंने कहा कि एक जैसी आयसीमा होने से अधिक से अधिक पात्र पिछड़ा वर्ग के लोगों इससे लाभ पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को रोजगार से जोड़ने के लिए रोजगार मेलों का आयोजन किया जाय। इसके लिए सम्बन्धित विभागों से समन्वय भी स्थापित किया जाय। उन्होंने कहा कि विभाग में संचालित योजनाओं से लाभान्वित लाभार्थियों का कार्यक्रम आयोजित किया जाय। वृहद स्तर पर विभागीय कार्यक्रमों का आयोजन कर संचालित

योजनाओं का प्रदर्शित किया जाय। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों का वर्कशाप का आयोजन किया जाय। वर्कशाप के माध्यम से विभागीय अधिकारियों से विभागीय योजनाओं में उनके फीडबैक लिये जाय। दिव्यांगजन मंत्री ने निर्देशित किया कि दिव्यांगजनों के हितों के लिए नियमित रूप से मोबाईल कोर्ट का आयोजन विभिन्न जनपदों में किया जाय। उन्होंने कहा कि मोबाईल कोर्ट के आयोजन का व्यापक प्रचार–प्रसार किया, जिससे अधिक से अधिक दिव्यांगजनों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने दिव्यांगजनों को दी जा रही पेंशन के बारे में जानकारी ली और निर्देशित किया कि दिव्यांगजनों को समय से पेंशन की किस्त पहुंचाने का कार्य किया जाय। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ने निर्देशित किया कि पिछड़ा वर्ग कल्याण में संचालित ओ लेवल एवं सीसीसी कम्प्यूटर कोर्स मे छात्रों की शत प्रतिशत बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज की जाय। उन्होने कहा कि विभाग के माध्यम से कम्प्यूटर कोर्स करने के बाद छात्र–छात्राओं को कहां–कहां रोजगार मिला, इसकी सूचना एकत्र की जाय। उन्होंने कहा कि पिछड़ावर्ग कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित छात्रावासों का व्यापक स्तर पर सर्वेक्षण करते हुए मरम्मत कार्य कराया जाय। बैठक में प्रमुख सचिव दिव्यांगजन सशक्तीकरण सुभाष चन्द्र शर्मा, विशेष सचिव एवं निदेशक दिव्यांगजन सशक्तीकरण भूपेन्द्र एस चौधरी, विशेष सचिव पिछड़ा वर्ग कल्याण सुनील कुमार चौधरी, राज्य आयुक्त दिव्यांगजन अजीत कुमार, निदेशक पिछड़ा वर्ग कल्याण डॉ. वन्दना वर्मा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

निवास प्रोमोटर्स ने 4 रेरा शिकायतकर्ताओं के साथ आपसी सहमति से विवाद का समाधान किया

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उ.प्र. रेरा से जारी आदेशों के कार्यान्वन सुनिश्चित करने के सापेक्ष मेसर्स निवास प्रोमोटर्स ने एक अन्य प्रोमोटर मेसर्स रिनाउंड बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से अपने 4 आवंटियों के साथ आपसी सहमति से विवाद का समाधान कर लिया। दोनों पक्षों के मध्य हुए आपसी समाधान के अनुसार सभी 4 आवंटियों को लगभग रुपये 39 लाख 80 हजार की धनराशि का भुगतान किया गया है। इसके अन्तर्गत मई से सितम्बर 2023 तक चारों आवंटियों, भानु प्रताप सिंह, आशुतोष कुमार, श्री अफसर अली तथा श्री चंद्र प्रकाश, को किश्तों में, रुपये 7 लाख 26 हजार, रुपये 11 लाख 40 हजार, रुपये 7 लाख 64 हजार और रुपये 13 लाख 50 हजार के पोस्ट डेटेड चेक जारी कर दिए गए थे और इस प्रकार से सभी आवंटियों की मांग पूरी कर दी गई थी। इस सम्बन्ध में प्रोमोटर ने आवंटियों के साथ हस्ताक्षरित एग्रीमेन्ट प्राधिकरण में जमा करके जारी आदेश अनुपालन की आख्या प्रस्तुत कर दी है और शिकायत का निस्तारण करने का अनुरोध किया है। प्रस्तुत किये गए एग्रीमेन्ट के अनुसार मेसर्स रिनाउंड बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड ने तृतीय पक्ष की भाँति मध्यस्थता करते हुए विवाद का समाधान कराने में सहयोग किया है। ज्ञातव्य है कि उ.प्र. रेरा ने निवास प्रोमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध दर्ज शिकायतों में सुनवाई करते हुए आवंटियों को तय समय में इकाई का कब्जा या जमा धनराशि विलम्ब अवधि के ब्याज सहित वापस करने का आदेश जारी किया था। प्रोमोटर द्वारा ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर– 10 में स्थित आवासीय परियोजना, वन लीफ ट्रॉय, विकसित की जानी थी लेकिन परियोजना में कई वर्षों से निर्माण व विकास कार्य बन्द पड़ा है। प्रोमोटर द्वारा आदेश का अनुपालन नहीं किये जाने पर आवंटियों ने पोर्टल पर आदेश अनुपालन कराने का अनुरोध दर्ज किया था। इसके उपरान्त अग्रिम प्रक्रिया के तहत कार्यवाही करते हुए प्राधिकरण ने सुनवाई की थी और आवंटियों को रिफण्ड दिलाने के उद्देश्य से कई मामलों में वसूली प्रमाण पत्र भी जारी किया था। इसके पहले भी प्रोमोटर ने अपनी इसी परियोजना के 7 आवंटियों की मांग का समाधान करते हुए लगभग रुपये 1.00 करोड़ का भुगतान किया था।

नशेडी चाचा-भतीजे ने ढाबे के टेक्निशियन को पीटा,मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज के मऊ गांव निवासी अमित कश्यप ने बताया वो रेलवे क्रासिगं के पास स्थित इंडियन ढाबे पर टेक्निशियन का काम करता है,बीते बुद्धवार की देर रात्रि शराब व इंस के नशे में धुत नीरज सिहं निवासी बक्खारखेड़ा ढाबे पर खड़ा होकर गाली-गालौज कर रहा था,मना करते हुये जब नीरज को उसके घर की तरफ छोड़ने जा रहा था तो वो उससे भी गाली-गालौज करने लगा और अपने चाचा लाल जी सिहं के साथ मिलकर लाठी डंडो से बुरी तरह पिटाई कर उसका सिर फोड़ कर लहूलूहान कर दिया।मौके पर पहुंचे ढाबा मालिक उसे घायल अवस्था में इलाज के लिये सीएचसी लेकर गये।प्राथमिक उपचार के बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर आरोपियों पर कार्यवाही के लिये पुलिस को तहरीर दी।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़ित की तहरीर पर आरोपी चाचा-भतीजे पर मारपीट,जान से मारने की धमकी देने समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी हैं।

वित्तीय अनियमिता के आरोपी ग्राम विकास अधिकारी को, किया गया निलम्बित

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। जनपद बरेली के विकास खण्ड बिथरी चौनपुर की ग्राम पंचायत केसरपुर के तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी विपिन पाण्डेय को, विभिन्न अनियमितताओ के दृष्टिगत निलम्बित कर दिया गया है। पाण्डेय के विरु) आईजीआरएस पोर्टल पर ग्राम्य विकास आयुक्त से शिकायत की गयी थी, जिस पर बरेली जनपद में जांच अधिकारी नामित कर इनके विरु) लगाये गये आरोपों की जांच करायी गयी। जांच रिपोर्ट के आधार पर जिला विकास अधिकारी बरेली द्वारा पाण्डेय को निलंबित किया गया है। निलम्बन अवधि में पाण्डेय खण्ड विकास अधिकारी बहेड़ी, जनपद बरेली में सम्ब) रहेंगे। ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी ने ग्राम्य विकास विभाग के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वह पूरी निष्ठा, इमानदारी व सेवाभावना के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। शासकीय दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही या वित्तीय अनियमिता पाये जाने पर सम्बंधित के विरु) कठोर कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि किसी के विरु) कोई शिकायत पायी जाय, तो उसकी जांच में तत्परता बरती जाय, जांच में विलम्ब नहीं होना चाहिए। कोई सन्दर्भ डिफाल्टर की श्रेणी में नहीं जाना चाहिए। डिफाल्टर की श्रेणी में जाने पर उत्तरदायित्व का निर्धारण किया जायेगा।

विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के अन्तर्गत रू0 1255.00 करोड़ की, धनराशि की, स्वीकृति की गयी प्रदान

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में वित्तीय वर्ष 2023–24 में विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि योजनान्तर्गत निर्वाचन क्षेत्रों में विकास कार्यों हेतु विधान सभा में 403 सदस्यों हेतु प्रति मा० सदस्य को रू०2.50 करोड़ की दर से रू०1007.50 करोड़ तथा विधान परिषद के 99 मा० सदस्यों हेतु प्रति सदस्य को रू०2.50 करोड़ की दर से रू०247.50करोड़, अर्थात विधान मण्डल के कुल 503 मा०सदस्यों में से 502 मा० सदस्यों हेतु कुल धनराशि रू०1255.00करोड़ , जी0 एस0 टी0 सहित (रूपये बारह सौ पचपन करोड़ मात्र) को द्वितीय किश्त के रूप में अवमुक्त किये जाने की स्वीकृति उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदान की गयी है। इस संबंध में आवश्यक शासनादेश उत्तर प्रदेश शासन, ग्राम्य विकास विभाग द्वारा जारी कर दिया गया है उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा ग्राम्य विकास विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए गये हैं कि स्वीकृत की गयी धनराशि का व्यय विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के मार्गदर्शी सिद्धांतों में उल्लिखित व्यवस्था/ प्रावधानों तथा इस निमित्त समय–समय पर जारी शासनादेशों के अनुसार ही किया जाय। यह भी निर्देश दिए गए हैं कि सम्बन्धित जनपद के मुख्य विकास अधिकारी द्वारा स्वीकृत की गयी धनराशि की जानकारी तथा शासनादेश की प्रति अपने–अपने जनपद से सम्बन्धित मा० विधान सभा एवं विधान परिषद सदस्यों को एक सप्ताह के अन्दर उपलब्ध करा दी जाय।जारी शासनादेश में निर्देश दिए गए हैं कि विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के अंतर्गत कराये जाने वाले कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित किये जाने की कार्यवाही का दायित्व सम्बंधित मुख्य विकास अधिकारी का होगा। गौरतलब है विधान मण्डल के दोनों सदनों के मा० सदस्यों को अपने–अपने निर्वाचन क्षेत्रों के विकास कार्यों हेतु विधान मण्डल क्षेत्र विकास निधि के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023–24के लिए 1257.50 करोड़ की धनराशि की स्वीकृति पूर्व में प्रदान की जा चुकी है।

पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल यात्रियों को बायो-टॉयलेट के समुचित उपयोग को लेकर जागरुक किया गया।

खबर दृष्टिकोण

लखनऊ। लखनऊ 21 सितम्बर 2023। सम्पूर्ण भारतीय रेल पर 16 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2023 तक 'स्वच्छता पखवाड़ा'–2023 मनाया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत आज पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के मण्डल रेल प्रबन्धक आदित्य कुमार के मार्गदर्शन में विभिन्न ट्रेनों में 'स्वच्छ रेलगाड़ी दिवस' मनाया गया। जिसमें मण्डल पर संचलन के दौरान सभी ट्रेनोंध्ओ.बी.एच.एस. ट्रेनों में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। गाड़ी संख्या 15065, 15029, 15009, 15069, 12512, 12596, 82501, 15083, 13020, 22532, 15045 तथा 15707 के वातानुकूलित, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी के कोचों की सफाई

, शौचालयों में डस्टबिन की उपलब्धता, बेड रोल की गुणवत्ता आदि की रेलवे अधिकारियों व सुपरावाइजरों द्वारा सघन जॉच की गई। जॉच के दौरान पेन्ट्रीकारों एवं वाशिंग पिट पर खड़ी ट्रेनों की साफ–सफाई का ध्यान रखा गया। इस दौरान चलती ट्रेनों एवं स्टेशनों पर रेलयात्रियों से फीडबैक फार्म पर ओबीएचएस स्टाफ द्वारा सफाई संबंधी प्रतिक्रिया व सुझाव प्राप्त कर उन पर तत्काल कार्यवाही करते हुए शिकायतों का निराकरण किया गया। यात्रियों को बायो–टॉयलेट के समुचित उपयोग को लेकर भी जागरुक किया गया। इस दौरान विशेष रूप से 'मेरी सीट मेरा डिब्बा' थीम पर रेल यात्रियों को रेल यात्रा के दौरान स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

सभी स्टेशनों पर पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम द्वारा 'स्वच्छ रेलगाड़ी दिवस' के अवसर पर जागरूकता सन्देशों की लगातार उद्घोषणा भी की जा रही है। रेलवे कर्मचारी एवं यात्रीगण, रेल परिसर को स्वच्छ रखने में रेलवे प्रशासन को अपना सहयोग प्रदान करें। "स्वच्छता पखवाड़ा" के अन्तर्गत कल दिनांक 22 सितम्बर 2023 को ''स्वच्छ पटरी'' दिवस के रूप में मनाया जायेगा।

सड़क पर गड्ढा बना जानलेवा...

बुजुर्ग शिक्षक की बाइक गड्ढे में कूदी, उछलकर पत्नी गड्ढे में गिरी,हालत गम्भीर

मोहनलालगंज के गोसाईगंज सड़क मार्ग पर हुआ हादसा गड्ढा बना जानलेवा,रिटायर्ड शिक्षक की बाइक गड्ढे में कूदी,गड्ढे में गिरकर पत्नी गम्भीर रूप से हुयी घायल

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज–गोसाईगंज मार्ग के अतरौली मोड़ जानलेवा बना गड्ढा हादसो का सबब बन गया है,लेकिन लापरवाह लोक निर्माण विभाग के अधिकारी गड्ढे को भरने की जहमत नही उठा पा रहे है,आये दिन बीच सड़क पर हुये गड्ढे में गिरकर बाइक सवार चोटिल हो रहे हैं. गुरूवार को जेल मार्ग पर रहने वाली विवाहिता बेटी के घर से बुजुर्ग पत्नी संग लौट रहे रिटायर्ड शिक्षक की बाइक सड़क पर हुये गहरे गड्ढे में कूद गयी,जिसके बाद बाइक पर बैठी बुजुर्ग पत्नी उछलकर गहरे गड्ढे में जा गिरी ओर गम्भीर रूप से घायल हो गयी,सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घायल बुजुर्ग को इलाज के लिये सीएचसी लेकर गयी।जहां डाक्टर ने हालत गम्भीर देख लोकबंधु अस्पताल रेफर कर दिया।जिसके बाद मौके पर पहुंचे परिजन बुजुर्ग महिला को इलाज के लिये एम्बुलेंस की मदद से लोकबंधु अस्पताल लेकर गये।प्राप्त जानकारी के अनुसार लखनऊ के एलडीए कालोनी निवासी रिटायर्ड बुजुर्ग शिक्षक राम चन्द्र बाजपेयी अपनी पत्नी मोहनी के साथ जेल मार्ग पर रहने वाली अपनी विवाहिता बेटी के घर गये थे,जहां से गुरूवार को बाइक से वापस अपने घर जा रहे थे वो जैसे ही मोहनलालगंज–गोसाईगंज मार्ग पर अतरौली मोड़ के पास पहुंचे ही थे कि सड़क पर हुये गहरे गड्ढे में उनकी बाइक कूद गयी,जिसके बाद बाइक से उछलकर पत्नी मोहनी गड्ढे में जा गिरी ओर गम्भीर रूप से घायल हो गयी।सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस घायल बुजुर्ग को इलाज के लिये सीएचसी लेकर गयी,जहां मौजूद डाक्टर ने बुजुर्ग महिला की हालत गम्भीर देख इलाज के लिये लोकबंधु अस्पताल रेफर कर दिया।जानकारी पाकर मौके पर पहुंचे परिजन गम्भीर रूप से घायल बुजुर्ग को इलाज ले लिये लोकबंधु अस्पताल लेकर गये।

चुनाव करीब तो आई भगवान विश्वकर्मा की याद : राम आसरे

सपा ने विश्वकर्मा जयन्ती पर छुट्टी दी तो बीजेपी ने की खत्म

लखनऊ। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा आजमगढ़ द्वारा विश्वकर्मा भवन नरौली में विश्वकर्मा पूजा समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री राम आसरे विश्वकर्मा ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्वमंत्री दुर्गा प्रसाद यादव तथा विशिष्ट अतिथि विधायक डा संग्राम यादव अखिलेश यादव पूर्वमंत्री राम दुलार राजभर विजय यादव जिला पंचायत अध्यक्ष विधानसभा अध्यक्ष हरीश चन्द्र यादव रहे।दुर्गा प्रसाद यादव ने कहा भगवान विश्वकर्मा के सृष्टि के सृजन में योगदान और इतिहास को घर घर बताने की आवश्यकता है। राम आसरे विश्वकर्मा ने कहा समाजवादी पार्टी की सरकार में अखिलेश यादव ने विश्वकर्मा पूजा की गजटेड छुट्टी घोषित की थी। भाजपा सरकार ने उसे निरस्त कर दिया। सपा ने विश्वकर्मा समाज का सम्मान बढ़ाया भाजपा ने विश्वकर्मा समाज का सम्मान घटाया। सपा की नीतियां पिछड़े वर्गों विश्वकर्मा समाज के पक्ष में हैं।1998 मे नेताजी ने हमें एमएलसी और सपा सरकार में मन्त्री बनाया था। 25 साल तक भाजपा को विश्वकर्मा समाज याद नहीं आया। अब चुनाव नजदीक आया है तो विश्वकर्मा की चर्चा करने लगे।विश्वकर्मा समाज के नौजवानों को अब नौकरी और रोजगार चाहिए। विश्वकर्मा समाज के लोग अब डाक्टर इंजीनियर और आईएएस बनना चाहते हैं।सरकार नौजवानों को नौकरी रोजगार नहीं दे रही है। विश्वकर्मा समाज के बुनियादी मुद्दों को समाधान करने की आवश्यकता है। आरक्षण अगर खत्म हो जायेगा तो पिछड़े वर्गों को नौकरी नहीं मिलेगी।जातीय जनगणना से ही हम सभी की वास्तविक जनगणना का पता चलेगा।

कपट न कीजे कोय चोरन के पुर ना बसें : उत्तम आर्जव धर्म

लखनऊ। इन्दिरानगर जैन मंदिर में दशलक्षण पर्व के तीसरे दिन गुरुवार को उत्तम आर्जव धर्म की पूजा हुई। ब्रह्मचारी जी ने बताया की किसी को भी छल–कपट कभी नहीं करना चाहिए क्योंकि चोरों के गांव कभी नहीं बसते, ऐसा दुनिया में कोई भी गांव,शहर नहीं जहाँ मात्र चोर ही रहते हों, क्योंकि चोरी के कार्य में भी विश्वास का होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जो जीव सरल स्वभावी होते हैं, उनके घर में संपदा की अपने आप वृद्धि होती है। इस जगत में भी उत्तम आर्जव की ही रीति (प्रथा) अच्छी मानी है तथा रंच (थोड़ी–सी) भी दगा (बेईमानी) बहुत दुख को देने वाली होती है। इससे बचने के लिए, जो मन में हो, उसे ही वचनों से कहना चाहिए तथा जो वचनों से कहें, वह क्रिया अर्थात आचरण में भी होना चाहिए। इसीलिए कहा गया है की मन मे हो सो वचन उचारिए, वचन होय सो टन सो करिए। इससे पूर्व जैन मंदिर इंदिरा नगर मे प्रातः काल भगवान महावीर स्वामी की स्वर्ण कलशों से अभिषेक एवं शांतिधार की गई।

नवाबों के शहर को मिला अपना प्रीपेड रिवॉर्ड्स कार्ड, ग्लोबल कंज्यूमर फाइनेंस कंपनी

पेप्पर ग्रुप ने लखनऊ में पेप्पर मनी ड्रीम्स कार्ड लॉन्च किया है

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ को अपने अवधी व्यंजनों और प्रसिद्ध ज्योग्राफिकल इंडिकेशन (जीआई) टैग की गई चिकन कढ़ाई के काम के लिए विशेष पहचान प्राप्त है। ऐसे में, इसने भारत के पहले उन शहरों में से एक के रूप में जगह बनाई है, जिन्होंने लोकप्रिय ब्रांड्स पर ग्राहकों को उनके दैनिक खर्चों पर पुरस्कृत करने के लिए अपना स्वयं का प्रीपेड कार्ड तैयार किया है। प्रमुख फिनटेक–पेप्पर मनी इंडिया अपने मूल्यवान ग्राहकों के लिए लखनऊ जैसे उभरते शहरों में सहज पर्सनल फाइनेंस प्रोडक्ट्स निर्मित करने पर आधारित है। अब इसने अपने पहले प्रोडक्ट–रुपे–संचालित प्रीपेड ड्रीम्स कार्ड को लॉन्च किया है। शहर का पसंदीदा रेस्तरां, स्काईलॉर्ड्स ऑन बोर्ड आने वाले चुनिंदा शुरुआती ब्रांड्स में से एक है, जो पेप्पर मनी ड्रीम्स कार्ड के उपयोग के माध्यम से किए जाने वाले ट्रांजेक्शन्स पर अपने ग्राहकों को पुरस्कार प्रदान करता है। लखनऊ के 100 से अधिक अन्य प्रसिद्ध ब्रांड्स, फिनटेक के इस रिवॉर्ड प्रोग्राम से जुड़ चुके हैं, जिनमें बिग डैडी, ओक्सलैंड और करीम सहित कई अन्य नाम शामिल हैं। पेप्पर मनी इंडिया, ग्लोबल कंज्यूमर फाइनेंस कंपनी– पेप्पर ग्रुप की सहायक कंपनी है। इसने अपने सह–ब्रांड के प्रीपेड कार्ड को लॉन्च करने के लिए नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) और पाइन लैब्स के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के माध्यम से, पेप्पर मनी इंडिया अपने कार्डहोल्डर्स को रुपे (त्नच्चल) के सुदृढ़ नेटवर्क, पेमेंट और सेटलमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर से लाभान्वित होने के अवसर प्रदान करेगा। उक्त कार्ड यूजर्स को रीजनल ऑफर्स के अतिरिक्त, प्रत्येक ट्रांजेक्शन पर एक प्रतिशत कैशबैक प्राप्त करने के ऑफर की भी पेशकश करेगा।

यदि टियर 1 की तुलना टियर 2 और उससे नीचे के शहरों से की जाए, तो यहाँ तुलनात्मक रूप से क्रेडिट कार्ड की पहुँच का स्तर काफी कम है। स्पष्ट रूप से इसका अर्थ है कि इन उभरते बाजारों के यूजर्स कहीं न कहीं रिवॉर्ड प्रोग्राम्स से वंचित हैं, जो मुख्य रूप से क्रेडिट कार्ड्स के साथ प्रदान किए जाते हैं। पेप्पर मनी का उद्देश्य इस अंतर को पूरी तरह से खत्म करना है। इस प्रकार, यह लोकप्रिय रीजनल ब्रांड्स को शामिल कर रहा है, जो आमतौर पर क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड प्रोग्राम्स का हिस्सा नहीं होते हैं और जहाँ यूजर्स अक्सर ट्रांजेक्शन करते हैं। फिनटेक उन हाइपरलोकल ब्रांड्स को अपने रिवॉर्ड प्रोग्राम का हिस्सा बनने की अनुमति देता है, जो इसकी पेशकश को अपनाने में वृद्धि के कारक होते हैं। इनमें फैशन, रेस्तरां, यात्रा, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, स्वास्थ्य और व्यक्तिगत देखभाल जैसे क्षेत्र शामिल हैं। अभिषेक कोठारी, सीईओ, पेप्पर मनी इंडिया, ने कहा, इसमें कोई दो मत नहीं है कि विगत समय में भारत में डिजिटलीकरण को अपनाने में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

लेकिन, बड़े पैमाने पर विकास के अवसर प्रदान करने के बावजूद, उभरते हुए शहर बड़े वित्तीय संस्थानों द्वारा वंचित बने हुए हैं, क्योंकि डिजिटलीकरण के इन मानकों को प्रमुखता से आकांक्षी युवा आबादी द्वारा ही संचालित किया जाता है। हमारा पेप्पर मनी ड्रीम्स कार्ड एक तरफ हमारे मूल्यवान ग्राहकों और दूसरी तरफ स्थानीय व्यापारियों के साथ दो–तरफा इकोसिस्टम स्थापित करके हाइपर–लोकलाइजेशन के तत्व को उजागर करता है। हम साथी भारतीयों के लिए उभरते शहरों में सहज पर्सनल फाइनेंस प्रोडक्ट्स की आवश्यकता को पूरा करने को लेकर बेहद उत्सुक हैं। लखनऊ और इंदौर के बाद, पेप्पर मनी की योजना आगामी समय में अपने प्रस्ताव की पहुँच को अन्य उभरते शहरों में भी ले जाने की है। इस प्रकार, यह अगले 12 से 15 महीनों में लगभग दस लाख ग्राहकों के सुदृढ़ इकोसिस्टम को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

लाविप्रा की नाक के नीचे उसके द्वारा बनाई गई मार्केट का स्वरूप नष्ट किया जा रहा

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ इंद्रमणि त्रिपाठी लगातार अधिकारियों को आदेश दे रहे हैं, की 15 दिन बाद अवैध निर्माण की पुनः समीक्षा की जाएगी और जिन लोगों के क्षेत्र में अवैध निर्माण मिलेंगे उनकी जवाबदेही तय करते हुए उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी, लेकिन प्रवर्तन जोन–7 में वीसी के आदेश प्रभावी ना होकर अब तक सफेद हाथी साबित हुए हैं। शहर के बीच चौक स्थित लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई गई नक्खास कपड़ा मार्केट में खुलेआम डबल बेसमेंट खोदकर विशाल मार्केट बनाया जा रहा है। प्रवर्तन जोन–7 के अभियंता एवम अधिकारियों ने एलडीए विभाग को बनाया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी, सहायक अभियंता उदयवीर और अवर अभियंता शशिभूषण नहीं मान रहे प्राधिकरण के स्थापित नियमों को, चला रहे अपनी तानाशाही, शहर में जब कोई व्यवसायिक एवं आवासीय निर्माण किया जाता है तो उस पर विकास प्राधिकरण के तमाम नियम, अधिनियम के अनुसार निर्माण किया जाता है। सहायक अभियंता प्राधिकरण के नियमों को दरकिनार कर अवैध निर्माणों को दिए हैं संरक्षण, सहायक एवं अवर अभियंता के नित नए कारनामे क्षेत्र में देखने को मिलते हैं। सहायक अभियंता अपने तानाशाही अंदाज से विभाग में नौकरी कर रहे हैं, कि मैं प्राधिकरण सेवा के डिप्लोमा संघ का उपाध्यक्ष हूं, मेरे कौन क्या बिगाड़ लेगा! आवासीय क्षेत्र में व्यावसायिक अवैध निर्माण तीव्र गति से चल रहा है, जोन–7 के अभियंता एवम अधिकारी बिल्डरों के आगे क्यों नतमस्तक हैं? क्या अवैध निर्माणों पर हो रही है, मुंहमांगी डीलिंग, इसलिए नहीं कर रहे प्रभावी कार्रवाई, मौखिक एवं लिखित शिकायत के बाद भी नहीं हुई सीलिंग की कार्रवाई, जोनल अधिकारी से भी मिला आश्वासन नहीं हुई अभी तक अवैध निर्माणों पर सीलिंग की कार्रवाई, जोन–7 के ठाकुरगंज और चौक क्षेत्र में चल रहे चर्चित चार अवैध निर्माणों पर नहीं हुई अभी तक कार्रवाई, नोटिस की आड़ में अवैध निर्माणों को अध्यासित कराने पर आमादा अधिकारी, प्रवर्तन जोन–7 में चल रहे धुआंधार अवैध निर्माणों पर मान लिया जाए की अभियंता एवम अधिकारियों की मौन सहमति है।

आईटीआई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बने रवि सिंह

लखनऊ। उत्तर प्रदेश औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कर्मचारी संघ की जिला शाखा– अलीगंज लखनऊ का द्विवार्षिक अधिवेशन, चुनाव आज दिनांक– 21 सितम्बर 2023 को प्रांतीय अध्यक्ष हरिओम सिंह एवं महामंत्री विवेक कुमार के मार्गदर्श मे सम्पन्न हुआ। इस चुनाव को सम्पन्न कराने हेतु पर्यवेक्षक के रूप मे पर्यवेक्षक अखिलेश वर्मा, अध्यक्ष–बाराबंकी एवं चुनाव अधिकारी रोहित वर्मा, सदस्य, प्रांतीय कार्यकारिणी उपस्थित रहे। चुनाव में रवि सिंह अध्यक्ष और रजत पटेल मंत्री निर्वाचित हुए। अधिवेशन मे विशिष्ठ अतिथि के रूप मे दिग्विजय कुमार यादव, मण्डल मंत्री, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, अमिता त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष–लखनऊ राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, सुभाष चंद्र तिवारी जिला मंत्रीदृ लखनऊ राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, की गरिमाई उपस्थिति रही। चुनावी प्रक्रिया में अध्यक्ष रवि सिंह, उपाध्यक्ष अरविंद वर्मा ,मंत्री रजत पटेल, संयुक्त मंत्री मयंक जायसवाल, कोषाध्यक्ष मनोज यादव, पदाधिकारी चुनावित घोषित हुए।इस चुनाव मे जिला शाखा– अलीगंज लखनऊ के समस्त सदस्यों ने प्रतिभाग किया।संघ के महामंत्री विवेक कुमार ने सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि अनुदेशक के रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति हेतु प्रयास किया जाएगा।

प्रधानाचार्य के रिक्त पदों प्रोन्नति, अनुदेशक से कार्यदेशक पद पर प्रोन्नत और मानव सम्पदा पोर्टल की व्यवस्था को शीघ्र क्रियांवित किया जाना जिससे की एसीपी लगने मे देरी से बचा जा सके। रजनीश अरोड़ा, प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने संघ सदस्यों को सम्बोधित करते हुए विभाग मे लाम्बित समस्त रिक्त पदों के सापेक्ष पदोन्नति कराये जाने की आवश्यक्ता पर जोर दिया।शिव चंद राम, प्रांतीय कोषाध्यक्ष ने कार्मिकों के समक्ष अपनी बात रखते हुए कहा की हम सभी को एकजुट होकर अनुदेशकों के प्रारम्भिक पे–ग्रेड को 4600 कराने का प्रयास करना चाहिये। दिग्विजय कुमार यादव, मण्डल मंत्री, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा की पूरानी पेंशन बहाली कर्मचारी समाज की मौलिक मांग है जिसे बहाल कराने हेतु हमे निरंतर प्रयास करना है। श्रीमती अमिता त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष–लखनऊ राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत कर्मचारियों को एकजुट रहकर सामुहिक हितों के प्रति सजग रहते हुए संघर्ष करने की सलाह दी। सुभाष चंद्र तिवारी जिला मंत्री, लखनऊ राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद, ने संघ के सदस्यों को आगामी संघर्षों के तैयार रहते हुए नवीन उर्जा से कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। अंत मे नव निर्वाचित अध्यक्ष रवि सिंह ने संघ की तरफ से समस्त मीडिया के साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा की निकट भविष्य मे मीडिया के साथियों के सहयोग से संघ अपनी बतों को जन मानस तक पहुचाने मे सफल हो पायेगा।

बीबीडी यूनिवर्सिटी की छात्रा की गोली मारकर हत्या

लखनऊ। लखनऊ में बीबीडी छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। चिनहट के दयाल रेजीडेंसी अपार्टमेंट के फ्लैट में बुधवार आधी रात दारू पार्टी हुई। इसी दौरान संदिग्ध हालात में गोली चली। गोली निष्ठा को लगी, गंभीर हालत में निष्ठा को उसके दोस्त लोहिया अस्पताल ले गए। पुलिस के मुताबिक, लोहिया में छात्रा और उसके परिवार के बारे में लिखा–पढ़ी कराकर दोस्त भाग लिए। डॉक्टर ने निष्ठा को मृत घोषित कर दिया। तड़के साढ़े तीन बजे हॉस्पिटल स्टॉफ ने पुलिस को सूचना दी।

घटना की जानकारी पर हरदोई से पहुंचे पिता ने चिनहट थाने में दोस्त आदित्य पाठक पर हत्या का आरोप लगाते मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी आदित्य को गिरफ्तार कर लिया है। हरदोई सदर कोतवाली निवासी यूपी सहकारी ग्राम विकास बैंक के सीनियर मैनेजर संतोष तिवारी की बेटी निष्ठा (23) की मौत हुई है। पुलिस के

मुताबिक, ठठक हॉस्टल छोड़कर दो महीने पहले ही निष्ठा पारस नाथ सिटी में किराए पर रहने लगी थी। बुधवार रात निष्ठा कॉलेज में गणेश उत्सव से अपने दोस्त आदित्य पाठक के दयाल रेजीडेंसी स्थित फ्लैट पर पहुंची। जहां पर दोस्तों के साथ पार्टी चल रही थी। इसी दौरान गोली लगने से उसकी मौत हो गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि छात्रा को जिस फ्लैट में गोली लगी, वह पुलिसकर्मी हिमांशु श्रीवास्तव का है। जिसमें आदित्य पाठक किराए पर रहता है। किचन में खाने के सामान और दारू की बोतलें मिली हैं। जिससे लग रहा है कि यहां पर पार्टी हुई थी। इसी दौरान किसी बात पर विवाद या धोखे से गोली चलने से युवती की मौत हो गई। घटनास्थल से फोरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए हैं। छात्रा के पिता संतोष तिवारी का कहना है कि उनकी बेटी को धोखे से गोली नहीं लगी, उसकी हत्या हुई है। पढ़ने वाले बच्चों के पास पिस्टल कैसे पहुंची। इससे साफ है कि वह क्रिमिनल माइंडेड है, जिन्होंने मेरी बेटी को किसी गलत इरादे से मार डाला। पुलिस को इसकी गहनता से जांच करनी चाहिए। एडीसीपी पूर्वी अली अब्बास ने बताया कि छात्रा की गोली लगने से मौत हुई है। छात्रा के पिता की तहरीर पर आरोपी आदित्य पाठक के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी आदित्य से पूछताछ की जा रही है। हत्या के कारणों के बारे में जानकारी की जा रही है। सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नवरात्र तक भाजपा प्रदेश संगठन के अन्य नामों का ऐलान संभव

लखनऊ। भाजपा में लंबे इंतजार के बाद पिछले दिनों जिला अध्यक्षों के नामों की घोषणा हुई। अब इंतजार है संगठन के अन्य पदों के लिए नामों की घोषणा होने की। अगले वर्ष केआरंभ में लोकसभा के चुनाव प्रस्तावित है इसलिये प्रदेश संगठन कोई ऐसा कदम नहीं उठाना चाहता जिसकी वजह से आंतरिक राजनीति तेज हो या भितरघात की आशंका पैदा हो। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी अपनी नियुक्त के एक साल बाद जिलाध्यक्षों की घोषणा कर पाए हैं। अब उम्मीद है कि नवरात्र के आसपास संगठन के अन्य नाम की घोषणा हो जायेगी। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए प्रभारी भी घोषित कर सकती है। भाजपा संगठन की ओवरहालिंग करेगी। जातिगत समीकरणों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र अध्यक्ष अपने महामंत्री व अन्य पदाधिकारी के नाम सुझाएंगे जिसपर प्रदेश नेतृत्व मुहर लगाएगा।

यूपी के सचिवालय में लागू होगी ऑफिसर डेस्क प्रणाली

लखनऊ। यूपी के सचिवालय के कार्यों में तेजी लाने और सालो से अटकी फाइलों का निस्तारण और पारदर्शिता के लिए विभागों में सचिवालय डेस्क ऑफिसर प्रणाली लागू करने का निर्णय किया है। इससे जहां फाइलों का तेज निस्तारण होगा, वहीं भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी। जिसके लिए मोदी सरकार के 40 मंत्रालयों में 623 डेस्क इकाई स्थापित की गयी है। डेस्क ऑफिसर प्रणाली के तहत एक अनुसचिव या वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी डेस्क से जुड़ी जिम्मेदारियों की प्रकृति के आधार पर डेस्क अधिकारी के रूप में कार्य करता है।यूपी सरकार द्वारा सचिवालय में लागू की जा रही डेस्क ऑफिसर प्रणाली का उद्देश्य सचिवालय स्तर पर विभागों में नियामक कार्यो का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण करना है। यह प्रणाली ऑफिसर ओरिएंटेड है। इसके जरिये सचिवालय स्तर पर स्थित विभागों में अनुभागों के माध्यम से उच्चाधिकारियों तक पत्रावली प्रस्तुतिकरण के दौरान त्वरित कार्य

निस्तारण में देर होने की संभावना को समाप्त करना है। ऐसे में सचिवालय स्तर पर विभागों में नियामक कार्यों के त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए सचिवालय स्तर पर स्थित विभागों में एक–एक डेस्क इकाई गठित की जाएगी। इसके लिए विभागों से सुझाव मांगे गये थे। इस पर सचिवालय के बीस विभागों द्वारा अपने विभाग में डेस्क ऑफिसर प्रणाली लागू करने पर सहमति दी गयी, जहां पर इसे जल्द लागू कर दिया जाएगा। सचिवालय स्तर के विभाग में डेस्क ऑफिसर प्रणाली के तहत हर डेस्क इकाई में 1 विशेष सचिव, संयुक्त सचिव, निजी सचिव और अपर निजी सचिव की तैनाती की जाएगी। विभिन्न विभागों में कुछ ऐसे कार्य होंगे जो निश्चित रूप से नियामक कार्य (रेग्युलेटरी वर्क) होंगे। ऐसे में डेस्क ऑफिसर प्रणाली लागू करने के लिए सबसे पहले विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों को सामान्य (रुटीन) एवं नियामक कार्यों (रेग्युलेटरी वर्क) में विभाजित करना होगा।

अफसर सुधर जाये या कुर्सी छोड़ें!

राजस्व मामलों के निपटारे में लापरवाह जिलों से सीएम नाराज, रिपोर्ट पर सीधे उनकी नजर

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलों में तैनात अधिकारियों को चेतावनी देते हुए उन्हें सुधरने के लिए एक महीने की मोहलत दी है।मुख्यमंत्री ने साफ कहा है कि या तो जिलों में तैनात अधिकारी अपनी कार्यप्रणाली सुधार लें या कार्यमुक्त होने के लिए तैयार रहें।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलों की रियल टाइम मॉनिटरिंग के लिए करीब दो माह पहले एनेक्सी में सीएम कमांड सेंटर एवं डैशबोर्ड का उद्घाटन किया था और कहा था कि इसी के आधार पर जिलों में तैनात अधिकारियों के काम की समीक्षा होगी।प्रदेश में 2947 राजस्व न्यायालय हैं, जिनमें पिछले छह वर्षों में 195.3 लाख वाद दाखिल हुए। इनमें 174.7 लाख वादों को निस्तारण किया गया, जिसका प्रतिशत 89.5 प्रतिशत है।सीएम ने समीक्षा बैठक में खराब प्रदर्शन वाले डीएम को फटकार लगाई और सुधार के निर्देश दिए हैं। पैमाइश के मामलों के निपटारे में टॉप पांच में संतकबीरनगर, कासगंज, महराजगंज, हापुड़ और बलरामपुर हैं जबकि बॉटम पांच में गौतमबुद्धनगर, बलिया, आजमगढ़, एटा और लखनऊ हैं। मामलों को एसडीएम स्तर पर 90 दिनों में निपटाने का प्राविधान है।नामान्तरण के एक करोड़ 24 लाख आवेदन आए, जिसमें से एक करोड़ 15 लाख का निस्तारण किया गया, जिसका रेश्यो 93 प्रतिशत रहा।गौतमबुद्धनगर, ललितपुर, अमरोहा, फर्रुखाबाद, मुजफ्फनगर का अच्छा प्रदर्शन रहा और बलिया, रायबरेली, बस्ती, गोंडा और मऊ फिसड्डी रहे। 2018 से अब तक वरासत–उत्तराधिकार के 52 लाख 60 हजार 960 आवेदन आए हैं जिसमें से अब तक 52 लाख 29 हजार 441 आवेदन का निस्तारण हो चुका है।इसका अनुपात 99.40 प्रतिशत रहा। मुख्यमंत्री ने इसकी सराहना करते हुए अन्य मामलों में तेजी पर बल दिया है।

महिला आरक्षण पर मचेगी श्रेय लेने की होड़

डॉ. प्रभात ओझा

लोकसभा और विधानसभाओं के लिए महिला आरक्षण जब भी लागू हो, इसके औचित्य पर कभी सवाल नहीं होंगे। आजादी के 75 साल बाद भी स्थिति यह है कि आज लोकसभा में सिर्फ 82 और राज्यसभा में 31 महिला सांसद हैं। यह संख्या क्रमशः 15 प्रतिशत और 13 प्रतिशत ही है। सवाल यह भी है कि यह आरक्षण पंचायतों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व जैसे हाल में तो नहीं पहुंच जायेगा। उत्तर भारत के कई राज्यों में पंचायत प्रतिनिधि महिलाओं के काम उनके पति अथवा पिता ही किया करते हैं। लोकसभा पर नजर डालें तो आज 32 महिला सांसद किसी नेता की पत्नी अथवा पुत्री ही हैं। ठीक है कि वे अपना काम स्वयं कर रही हैं। जब संख्या बढ़ेगी, क्या इसी क्षमता की प्रतिनिधि चुन कर आएंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर काम का अपना ढंग है। लोकसभा में '128वां संविधान संशोधन विधेयक 2023' पेश किया जा चुका है। मोदी ने इसे 'नारी शक्ति वंदन विधेयक' नाम दिया है। इस विधेयक के पारित होने और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के साथ यह कानून लोकसभा और देशभर की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान सुनिश्चित कराएगा। खास बात यह है कि कुछ क्षेत्रीय दलों के ना- नुकुर के मुकाबले इस विधेयक को सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस, दोनों का ही समर्थन हासिल है। स्पष्ट है कि विधेयक के कानून बनने में कोई अड़चन नहीं है। मुद्दा यह है मोदी सरकार ने यह राजनीतिक कदम लोकसभा, 2024 के चुनाव के ठीक पहले क्यों उठाया ? कांग्रेस भी सरकार का इतनी सहजता से समर्थन क्यों कर रही है? क्या इस बिल के कानून बनने के बाद 2024 के चुनाव से ही 33 फीसद महिला सांसद चुनी जायेंगी? इन सवालों के जवाब ढूंढ़ने के लिए थोड़ा पीछे घूमकर देखना होगा।

सबसे पहले 1996 में एचडी देवेगौड़ा सरकार के दौरान महिला आरक्षण बिल संसद में रखा गया लेकिन पास नहीं हो सका। साल 1997 में इंद्र कुमार गुजराल सरकार ने भी इस तरह की कोशिश की। वाजपेयी सरकार के दौरान 1998 में भी बिल प्रस्तुत किया गया परन्तु परिणाम ढाक के तीन पात वाला ही रहा। दूसरी बार सरकार बनने पर वाजपेयी ने 1999 फिर 2002 और 2003-04 में भी इसपर अमलीजामा की कोशिश की । हर बार सरकार में शामिल दलों में मतभेद इसमें बाधक बना। वर्ष 2010 में मनमोहन सिंह सरकार का एक साल बीत चुका था। सरकार इस विधेयक को फिर से लेकर आई। यूपीए में शामिल मुलायम सिंह यादव की समाजवादी पार्टी और लालू प्रसाद यादव का राष्ट्रीय जनता दल इसके विरोधी थे। बाद में इन दलों ने कहा कि वे इसके विरोधी नहीं, बल्कि बिल की कुछ व्यवस्थाओं के खिलाफ हैं। वे चाहते थे कि राजनीतिक दल अपने टिकट बंटवारे में ही महिलाओं को 20 प्रतिशत का आरक्षण दें। तब लोकसभा में बिल फिर अटक गया। राज्यसभा में कांग्रेस का बहुमत था, 9 मार्च, 2010 को बिल पास हो गया। लोकसभा का कार्यकाल खत्म होता रहा अथवा सदन भंग होता रहा।

नियमानुसार सदन के सत्र के साथ विधेयकों की वैधता भी खत्म हो जाया करती है। राज्यसभा स्थायी सदन है। इसलिए वहां से यह बिल पारित माना गया है। अब सिर्फ लोकसभा की स्वीकृति चाहिए। यहीं पहले दोनों सवाल के जवाब मिल जाते हैं। हर सरकार महिला आरक्षण की बात करती आयी है। भले मन में कुछ भी हो, राजनीतिक लाभ लेने की मंशा छिपी नहीं रह सकती। दूसरे प्रश्न का जवाब भी इस बात में है कि जो कांग्रेस राज्यसभा में इसे पारित करा चुकी है, वह अब पीछे क्यों हटेगी। रही बात 2024 से ही इसके लागू होने की, इसका उत्तर कुछ स्थितियां स्पष्ट करने के बाद मिलेगा।

विपक्ष कह रहा है कि महिला आरक्षण 2029 लोकसभा चुनाव से पहले संभव नहीं है। यह सच भी है। असल में इस विधेयक पर अमलीजामा की लंबी संवैधानिक प्रक्रिया है। सरकार ने स्वयं कहा है कि इसे लोकसभा सीटों के परिसीमन के बाद लागू किया जायेगा। अभी सीटें 2011 की जनगणना के आधार पर हैं। कोरोना के चलते 2021 में यह नहीं हो सकी थी। कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, समाजवादी पार्टी सहित कई पार्टियां जाति आधारित गणना की मांग कर रही है। सरकार इस पर चुप है। बहरहाल, उसका अधिकार है कि जैसे चाहे कराए। जनगणना के बाद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज की अध्यक्षता में परिसीमन आयोग का गठन किया जाएगा। आयोग लोकसभा और विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन के साथ ही महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटों का सुझाव देगा। भविष्य में यह सीटें बदलती रहेंगी। तस्वीर साफ है कि महिला आरक्षण कानून जनगणना और परिसीमन के बाद ही लागू होगा। इस स्थिति में 2024 के चुनाव इस कानून के मुताबिक, मुमकिन नहीं हैं।

लोकसभा और विधानसभाओं के लिए महिला आरक्षण जब भी लागू हो, इसके औचित्य पर कभी सवाल नहीं होंगे। आजादी के 75 साल बाद भी स्थिति यह है कि आज लोकसभा में सिर्फ 82 और राज्यसभा में 31 महिला सांसद हैं। यह संख्या क्रमशः 15 प्रतिशत और 13 प्रतिशत ही है। सवाल यह भी है कि यह आरक्षण पंचायतों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व जैसे हाल में तो नहीं पहुंच जायेगा। उत्तर भारत के कई राज्यों में पंचायत प्रतिनिधि महिलाओं के काम उनके पति अथवा पिता ही किया करते हैं। लोकसभा पर नजर डालें तो आज 32 महिला सांसद किसी नेता की पत्नी अथवा पुत्री ही हैं। ठीक है कि वे अपना काम स्वयं कर रही हैं। जब संख्या बढ़ेगी, क्या इसी क्षमता की प्रतिनिधि चुन कर आएंगी। इस पर अभी से रोना ठीक नहीं। मुख्य बात यह है कि महिलाओं को और अधिक प्रतिनिधित्व मिलने का रास्ता साफ हो रहा है। राजनीतिक दलों में इसका श्रेय लेने की होड़ तो रहेगी ही।

संपादकीय

नुकसान में कनाड़ा

कनाड़ा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूड़ो ने भारत से अपने संबंध बिगाड़.लिए हैं। इस बुरी तरह कि उनके पद पर रहते इसमें सुधार की संभावना नहीं हैं। यह कोरी तोहमत या भारत की तरफदारी नहीं है, बल्कि तथ्यात्मक निष्कर्ष हैं। इसलिए कि ट्रूड़ो ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की कनाड़ा में हत्या का मामला उठाते हुए बिना किसी सबूत के ही भारत को दोषी ठहराया। उन्होंने भारतीय राजनयिक को देश छोड़ने का फरमान भी जारी किया। यह स्थिति तब है, जब भारत और कनाड़ा दोनों देश मित्र हैं, परस्पर पाकिस्तान नहीं हैं। लेकिन ट्रूड़ो कनाड़ा को शायद दूसरा पाकिस्तान बनाना चाहते हैं। अगर ऐसा नहीं होता तो वे

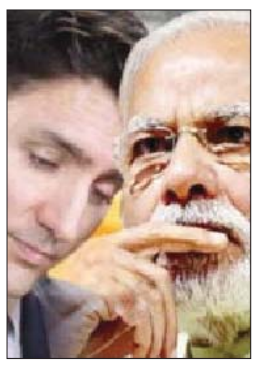

खालिस्तान समर्थक दलों की खुलेआम हिमायत नहीं करते, उनकी भारत विरोधी, अलगाववादी-उग्रवादी गतिविधियों को अंजाम देने, इनकी फंडिंग करने और हत्याओं का सिलसिला चलाने के अपराधों के प्रति अपनी आंखें नहीं मूंदे होते। यह स्थिति तब है, जबकि वे विभिन्न वैश्विक एवं समूह केंद्रित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक दूसरे देश की सम्प्रभुता को चुनौती देने वाली गतिविधियों पर अंकुश लगाने के प्रस्तावों पर हस्ताक्षरकत्ता रहे हैं। अभी-अभी भारत में हुए जी-20 के नई दिल्ली लीड़र्स डेक्लरेशन पर भी दस्तखत कर कनाड़ा लौटे हैं। इनके बावजूद वे भारत की खालिस्तानी उपद्रवों को अभिव्यक्ति की आजादी कह कर तवज्जो नहीं देते रहे हैं। वे भूल रहे हैं कि हर आजादी की एक अनिवार्य हद होती है-उसे खूनी दरारें पैदा करने की इजाजत नहीं है। जिस निज्जर पर वे भारत से बागी होने का जोखिम ले रहे हैं, जो अनेक आतंकवादी-उग्रवादी मामलों समेत 10 हत्याओं में कई एजेंसियों को वांछित था। इंटरपोल ने रेड़ कॉर्नर नोटिस जारी किए हुए था। ऐसों के प्रति उनका प्रेम पाकिस्तान होने की जमीन तैयार करना ही हुआ न? दरअसल, वे ऐसा करते दिख रहे हैं तो इसकी तात्कालिक वजह उनकी सरकार की अल्पमतता है, जिसकी न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ खालिस्तान के समर्थन की विवशता है। यह कनाड़ा में दो फीसद सिख आबादी के वोटों से भी जुड़ी है। दूसरा कारण, उनके इसी रवैये पर जी-20 सम्मेलन में भारत से वह भाव न मिलना भी है। ट्रूड़ो भारत पर बेबुनियादी आरोप लगाकर अपनी सरकार तो बचा लेंगे-पर संबंध बिगाड़कर, साख गंवाकर। भारत की उन्हीं की शैली में दी गई प्रतिक्रिया देखते हुए यह भारी कीमत है। इस मसले पर नई दिल्ली को ह्यसहयोग' की नसीहत देने वालों को ट्रूड़ो सरकार के सामने पूर्व में रखे गए तथ्यों को भी देखना चाहिए।

चिंतन-मनन

ध्वनि का प्राणी शरीर पर प्रभाव

यह जानकर खुश होगें की ध्वनि का प्रभाव प्रत्येक जीव के शरीर पर पड़ता है। वर्तमान औधोगिकी करण और तकनीकि से ध्वनि प्रदूषण अधिक मात्रा में बढ़ रहा है। इस ध्वनि प्रदूषण के परिणाम देखते हुये नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. राबर्ट कॉक ने सन- 1925-26 में एक बात कही थी एक दिन ऐसा आयेगा, जब पूरे विश्व में स्वस्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु ध्वनि प्रदूषण होगा। यह ध्वनि प्रदुषण दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। मानव का मन, मस्तिष्क और शरीर बहुत संवेदन शील हैं। यह ध्वनि तरगों के प्रति भी बेहद संवेदन शील है। जैसे जब कोई संगीत सहित, गीत गाता है,या वाद्य बजाता है तो मन अपने आप उस पर केन्द्रित हो जाता है उसे सुनते ही अंग-अंग थिरकने लगता है, मन प्रसन्नता से भर जाता है, शरीर में आनंद की लहर छा जाती है। इसके विपरीत कानो को अप्रिय लगने वाली तेज ध्वनि सुनाई देती है तब मानव को शारीरिक और मानसिक दोनो तरह की परेशानी होती है। जिससे व्यक्ति का मानसिक संतुलन बिगड़ जाता है एवं स्वस्थ्य खराब हो जाता है। वह बहरा और पागल भी हो सकता है।

डेसी बल ध्वनि की तीव्रता नापने की इकाई है। इसका अविष्कार 'ग्राहमबेल' बैज्ञानिक ने किया था। आधुनिक वैज्ञानिकों का कहना है कि 150 डेसीबल की ध्वनि बहरा भी बना सकती है। 160 डेसीबल की ध्वनि त्वचा जला देती है। 180 डेसीबल की ध्वनि मौत की नींद सुला सकती है। 120 डेसीबल की ध्वनि ह्रदयगति बढ़ना प्रारंभ हो जाती है। जिससे ह्रदय रोग एवं उच्च रक्त चाप की बीमारी जन्म लेती है। हर मानव को 60 डेसीबल तक की ध्वनि वाले वातावरण में रहना चाहिए प्रदूषण की श्रेणी में 75 डेसीबल से अधिक की ध्वनि शोर आता है। ध्वनि प्रदुषण से आंखों की पुतली का मध्य छिद्र फैल जाता है, आमाशय और ऑतों पर घातक प्रभाव से पाचन क्रिया बिगड़ जाती है। इससे शरीर की प्रति रोधी क्षमता घट जाती है, ग्रनथियों से हार्मोन्स का श्राव अनियमित हो जाता है, स्नायु खिच जाते है, शरीर में थकान, मानसि तनाव, चिड़चिड़ापन, अनिद्रा, स्मरण शक्ति कमजोर हो जाती अतः हमें तेज ध्वनि से बचना चाहिए।

महिला आरक्षण बिल चुनावी झुनझुना

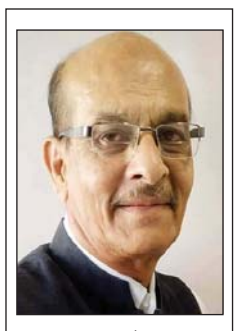

सनत जैन

लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पास हो गया है। सभी दलों ने इसका समर्थन किया है। मात्र दो सदस्यों ने आरक्षण बिल के खिलाफ मतदान किया है। भारतीय जनता पार्टी एनडीए गठबंधन और कांग्रेस तथा इंडिया गठबंधन से जुड़े सभी राजनीतिक दलों ने इस बिल का समर्थन किया है। इंडिया गठबंधन के सदस्यों ने जो संशोधन प्रस्ताव पेश किए थे। वह ध्वनिमत से निरस्त हो गए। इसके बाद बिल में मतदान हुआ और 454 सदस्यों ने बिल के समर्थन में मतदान किया। नई संसद में सर्वसम्मति से पास होने वाला यह पहला बिल बन गया है। भारतीय जनता पार्टी इस बिल को मास्टर स्ट्रोक बता रही है। भारतीय जनता पार्टी को विश्वास है, कि महिलाओं के आरक्षण बिल से उसे 2024 के लोकसभा चुनाव और 5 विधानसभा के चुनावों में इसका लाभ भाजपा को मिलेगा। महिलाएं बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट करेगी। भारतीय जनता पार्टी ऐसा सोच रही है, तो इसमें कोई अतिशयोक्ति भी नहीं है। बिल में जो प्रावधान किए गए हैं, उसके अनुसार 2028 के विधानसभा चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनाव के समय ही महिलाओं का आरक्षण लागू हो सकता है। यह इतना ज्यादा समय है, कि इस चुनाव में इसका कितना असर होगा, यह कहना मुश्किल है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी राम भरोसे और महिला आरक्षण के बल पर चुनाव जीतने की कामना कर रही है। वही इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल और कांग्रेस दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक, एसटी और एससी वर्ग को एक साथ जोड़कर कमंडल की राजनीति को मंडल की राजनीति से काटने की एक बड़ी पहल की है। राज्यसभा में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण के बाद विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने जो स्वयं दलित नेता है। उन्होंने महिला आरक्षण बिल पर दलित और पिछड़ी जाति की महिलाओं को आरक्षण देने का मुद्दा उठाया है। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों ने, सभी वर्गों की महिलाओं को जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व देने की बात कही है। सोनिया गांधी ने तो यहां तक कह दिया कि यह बिल तुरंत लागू किया जाए। 33% आरक्षण महिलाओं को आने वाले विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में लागू किया जाए। कांग्रेस सहित इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों ने जनगणना और परिसीमन को आधार बनाकर 5 साल तक आरक्षण टालने का विरोध सदन के अंदर, बड़ी मुखरता के साथ किया है। भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकाल के अंतिम समय पर महिला आरक्षण बिल लेकर आई है। इसके पहले भी काला धन वापस लाने महंगाई खत्म करने 2 करोड बेरोजगारों को प्रतिवर्ष रोजगार देने काला धन वापस आने पर हर किसी को 15-15 लाख रुपए देने नोटबंदी के बाद भी काला धन वापस आने और गरीबों को पैसे देने की बात कही गई थी। उस समय नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता और विश्वसनीय दोनों ही चरम सीमा पर थी। जिसका लाभ 2019 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिला। पिछले 4 वर्षों में जिस तेजी के साथ महंगाई बढ़ी है। आम आदमी पर कर्ज का बोझ बढ़ा है। आम आदमी के ऊपर लगातार टैक्स बढ़ता चला जा रहा है। निम्न और मध्यम वर्ग का जीवन बड़ा मुश्किल हो गया है। वह अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रहा है। जिसके कारण गरीब और मध्यम वर्ग में सरकार को लेकर अविश्वसनियता बढ़ी है। मोदी सरकार की लोकप्रियता घटी हैं। आम आदमी मुखरता के साथ अब सरकार का विरोध कर रहा है। 15 लाख और 2 करोढ़ रोजगार देने, महंगाई कम करने और अच्छे दिन के जो वायदे किए गए थे। वह भी जुमला साबित हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में महिला आरक्षण का प्रभाव महिलाओं पर किस तरह पड़ेगा। इसको लेकर सोशल मीडिया और समूह में महिला आरक्षण को लेकर तरह-तरह की आशंका व्यक्त की जा रही है। आम धारणा बन रही है, कि यदि सरकार महिला आरक्षण बिल लागू कर रही थी। संसद का विशेष सत्र बुलाया गया था। सरकार को अभी महिला आरक्षण लागू कर देना चाहिए था। इससे भाजपा और केंद्र सरकार की विश्वसनीयता, महिला मतदाताओं के बीच में बढ़ती। भाजपा के पक्ष में महिलाएं ज्यादा से ज्यादा वोट भी करती। आगे आने वाली सरकार इस बिल के अनुसार काम करती है, या नहीं। इसमें कोई बदलाव कर देती है। धारा 370 और एनआरसी के मामले में सरकार ने कानून तो पास कर लिए लेकिन अभी तक सरकार नियम नहीं बन पाई। सरकार ने किसानों के लिए जो तीन कानून बनाए थे उन्हें विरोध के कारण वापस लेना पड़ा। सरकार की विश्वसनीयता को लेकर आम मतदाताओं के बीच में चचाएं होती हैं। भारत का मतदाता बहुत होशियार है। समय आने पर वह बड़ी बुद्धिमत्ता के साथ निर्णय करता है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस राष्ट्रीय राजनीतिक दल है। इनके प्रतिबद्ध मतदाताओं की संख्या कभी भी 20-22 फीसदी से ज्यादा नहीं रही। चुनाव के दौरान जो हवा चलती है, उसके अनुसार मतदाता अपना रुख बदलता है। 2013-14 में भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी के पक्ष में हवा बह रही थी। जिसका लाभ भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी को दो लोकसभा चुनाव में मिल चुका है। कई राज्यों में डबल इंजन की सरकारें हैं। जिन वादों पर और जिन मुद्दों पर सरकार बनी थी। उसमें अच्छे दिन 15 लाख का वायदा, महंगाई कम करने, पेट्रोल-डीजल की कीमत कम करने, 2 करोड़ बेरोजगारों को हर साल रोजगार देने, जैसे जो वायदे किए गए थे। उसका मतदाताओं में बड़ा प्रभाव पड़ा था। 10 साल केंद्र में भाजपा की सरकार है। कई राज्यों में डबल इंजन की सरकारें हैं। लेकिन यदि वह वायदे पूरे नहीं हुये, तो मतदाताओं का विश्वास डगमगा गया है। धार्मिक ध्रुवीकरण को लेकर आमजनों मे वेमनष्य बढ़ा है। कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हुई है। अपराध और आत्महत्या के मामले बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। ऐसी स्थिति में यह मास्टर स्ट्रोक कितना काम करेगा, कहना मुश्किल है। कमंडल और मंडल की राजनीति ने इस लड़ाई को और भी तेज कर दिया है। आबादी के हिसाब से पिछडे, एसटी,एससी और अल्पसंख्यक मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। यदि इनकी सोच बदली तो हिंदुत्व और धार्मिक ध्रुवीकरण भी कारण भी खतरे में पड़ सकता है। भारतीय जनता पार्टी के नहले पर इंडिया गठबंधन का यह दहला भी हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह समझना होगा।

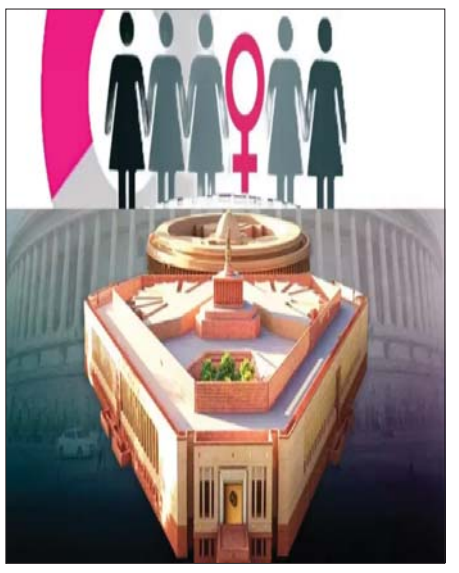

प्रकाश प्रदूषण : बर्बाद हो रही पारिस्थितिकी

कुशाग्र राजेंद्र

सभ्यता के विकास के क्रम में ह्यअरनीह्ल की पट्टियों से आग की खोज कर मनुष्य ने गुफाओं में मशाल जलाई। फिर अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले मशाल ने दीपक, दीया का रूप लिया; जलाने के लिए सरसों तेल, तिल का तेल, घी से लेकर धरती के गर्भ से निकलने वाले केरोसिन, आदि का प्रयोग करते-करते 1880 में एडिसन के टंगस्टन बल्ब ने दिन-रात के अंतर को पाट डाला।

डूबते सूरज की पीली रोशनी का अहसास लिए मनुष्य ने कालक्रम में भविष्य के लिए बिजली की बचत शुरू की और हमारे बीच फ्लोरोसेंट प्रकाश, फिर सोडियम वेपर से होते हुए आई दूधिया प्रकाश लिए एलईडी लाइट्स।

इस रोशनी ने देर रात अंधेरे में काम करना आसान भले ही कर दिया लेकिन अनजाने में मुसीबत भी आई। कृत्रिम प्रकाश के रूप में आई इस मुसीबत को नाम मिला प्रकाश प्रदूषण/लाईट पॉल्यूशन या फोटो पॉल्यूशन। कृत्रिम प्रकाश वैश्विक स्तर पर 1992 और 2017 के बीच लगभग 49% तक बढ़ गया। कुछ क्षेत्रों में तो 400% तक बढ़ा। अभी हमारी पृथ्वी अपने सबसे प्रकाशमान स्तर पर है। शहरों की चकाचौंध देखते हैं तो लगता है कि रात के हिस्से के अंधेरे को उद्योगों, सड़कों से लेकर गलियों की लाइटिंग, रिफलेक्टिव सतहों के प्रयोग, मुख्य सड़कों पर हाईमास्ट और स्ट्रीट लाइटिंग प्रकाश के स्रेतों के रूप में विभिन्न प्रकार की हैलोजन लाईट, टॉर्च, और प्रकाशीय उपकरणों से ढांप दिया गया है। ढंके हुए अंधेरे की वजह से अस्सी प्रतिशत से अधिक लोग और इतना ही भूभाग इस प्रदूषण की चपेट में हैं। यह आकाशी चमक/स्काई ग्लो के रूप में प्रवासी पक्षियों की आने-जाने की दिशा को प्रभावित कर रहा है, तो प्रकाश के अतिक्रमण से फोटॉन के इधर-उधर बिखरने (जो खिड़कियों के रास्ते आकर हमारी नींद और आंतरिक घड़ी यानी सरकेडियन रिदम को प्रभावित कर रहा है) से हमारा व्यवहार और कार्य क्षमता बदल रहे हैं। जितनी प्रकाश की जरूरत है, उससे कई गुनी अधिक रोशनी धीरे-धीरे हमें अंधेरे की तरफ ढकेल रही है। आंखें रहते हुए भी हमारी दृष्टिबाधित हो रही है, और तारों को निहारने की हमारी क्षमता क्षीण होती जा रही है।

इस प्रदूषण ने एक तरह से सांस्कृतिक हानि भी पहुंचाई है। हमारा बचपन सपनों, कल्पनाओं और कहानियों को जानना-समझना भूलता जा रहा है। रात में दिन के अहसास ने हमारी बायोलॉजिकल क्लॉक को प्रभावित किया है। रात में जागने की क्षमता बढ़ती जा रही है, तो सुबह सूरज की रोशनी चढ़ने के बाद नींद खुलती है। रात की टुकड़े-टुकड़े वाली नींद कैंसर और हृदय रोगों को बढ़ा रही है। चिड़ियों के जागने-सोने के समय में भी अंतर आ गया है। अध्ययन में पता चला है कि प्रकाश प्रदूषण के रंगों और तीव्रता में परिवर्तन से पिछले कुछ दशकों के दौरान जीव-जंतुओं की दृष्टि में अप्रत्याशित बदलाव आया है। पहले अंधेरे की आहट होते ही कीड़े-मकोड़े छुप जाते थे और आवाज से अपनी उपस्थिति दर्ज कराते थे। प्रकाश प्रदूषण की वजह से प्रकाश की ओर आसक्त होते कीट-पतंगे अपनी मृत्यु को आमंत्रित करते हैं। शोधकताओं ने कीट-पतंगों और उनका शिकार बनाने वाले पक्षियों की दृष्टि पर रोशनी के प्रभाव की जांच में पाया कि शिकार और शिकारी के बीच के संबंध बदल रहे हैं।

अंधेरे का अहसास हुए बिना उल्लू अपना शिकार नहीं पकड़ सकते। अब प्रकाश की अधिकता में उल्लू ध्वनि तरंगों को पकड़ अपने शिकार तक नहीं पहुंच पा रहा। इस प्रकाश भ्रम में पुरु ष कीड़ों के प्रजनन के तरीके भी बदल रहे हैं। दिन में निषेचन करने वाले ये कीट रात्रि के प्रकाश में मादा को निषेचित करने लगे हैं। चांद और तारों की रोशनी अंधेरे में समुद्री जीवों के लिए महत्त्वपूर्ण संकेतक के रूप में कार्य करते हैं, जो उनके दिशा ज्ञान में मददगार होते हैं। कृत्रिम प्रकाश में उनकी चमक आसानी से धूमिल पड़ जा रही है, जो समुद्री जीवों को उनके पथ से भटका रही है। पेड़-पौधे भी प्रकाश की उपस्थिति को लेकर भ्रमित हो सकते हैं। फूलों का खिलना, पत्तियों का झड़ना कुछ हद तक प्रकाश की उपस्थिति पर ही निर्भर होता है। आज प्रकाश की अधिकता ने दिन-रात का संवेदनशील संतुलन बिगाड़ दिया है, जिसने पेड़-पौधों सहित तमाम जीव-जंतुओं की शारीरिक कार्यिकी को प्रभावित किया है। इसका शिकार संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र, जिसमें मानव समाज भी शामिल है, हो रहा है।

प्रकाश प्रदूषण अन्य प्रदूषण की तरह ही समझा जाना चाहिए जैसे रासायनिक बहाव या गैस रिसाव की तरह, आपके द्वार और सड़क को प्रकाशित करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे फोटॉन अनजाने में आसपास के क्षेत्रों में प्रवाहित होकर पौधों से लेकर शीर्ष प्राणियों जैसे सभी स्तरों पर स्थानीय पारिस्थितिकी को प्रभावित करते हैं। हमने जैसे अन्य प्रदूषणों को कम करने के क्षेत्र में कार्य किया है, उसी प्रकार अब जरूरत है कि प्रकाश प्रदूषण को कम करने के विकल्पों की तलाश की जाए क्योंकि किसी रसायन की तरह ही वातावरण में बहता फोटॉन जीवों की आंतरिक क्लॉक को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है।

न्यूज सार

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, दो लोगों की मौत...70 हजार मिले सुरक्षित

हरदोई (ब्यूरो)। हरदोई जिले में हरपालपुर थाना क्षेत्र के कटरा–बिल्हौर मार्ग पर अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवो को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शाहजहांपुर जनपद के अल्लाहगंज थाना क्षेत्र के मऊ गांव निवासी वीरेश कुमार (32) अपने पड़ोसी रंजीत (25 के साथ बाइक से गुरुवार को सांडी थाना क्षेत्र के नयागांव स्थित अपनी ससुराल गोलू के यहां भैंस खरीदने आया हुआ था। भैंस न मिलने पर वह घर वापस घर जा रहा था। बाइक रंजीत चला रहा था। तभी कटरा–बिल्हौर मार्ग पर तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हरपालपुर भिजवाकर मोर्चरी में रखवा दिया। परिजनों के पहुंचने पर दोनों शवो का पोस्टमार्टम भेज दिया गया है। मृतक वीरेश के परिवार में पत्नी रंजना देवी के अलावा एक पुत्र दो पुत्री हैं। वहीं, रंजीत के परिवार में एक पुत्र और एक पुत्री है।

काम की तलाश में निकली को बाइक सवार ने मारी टक्कर, मौत

उन्नाव (ब्यूरो)। शहर कोतवाली क्षेत्र में चौधरी पेट्रोल पंप के पास काम की तलाश में निकली महिला को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। जानकारी पर पहुंचे परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने उसे सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मेवाती टोला निवासी संजय ने बताया कि बुधवार सुबह उसकी पत्नी सुनीता (35) काम की तलाश में घर से निकली थी। सुबह करीब साढ़े आठ बजे चौधरी पेट्रोल पंप के पास बाइक सवार ने उसकी पत्नी को टक्कर मार दी। संजय ने बताया कि वह मजदूरी का करता है वह एक ट्रैक्टर–ट्रॉली पर बैठकर मलबा डालने जा रहा था। उसी दौरान वह हादसा स्थल के पास पहुंचा जहां उसे सुनीता घायल हालत में पड़ी दिखाई दी। संजय अपनी पत्नी को देखकर ट्रॉली से कूद गया और ई–रिक्शा से उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचा।

बाहर से दवा लिखने वाले तीन डॉक्टरों की शिकायत

उन्नाव (ब्यूरो)। सीएमओ ने अचलगंज सीएचसी में तैनात तीन डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक को पत्र लिखा है। जांच में बाहर की दवा लिखने की पुष्टि हुई थी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अचलगंज में डॉक्टर मरीजों को बाहर की दवा लिख रहे थे। बाहरी दवा लिखने के संबंध में सीएमओ डॉ.सत्यप्रकाश के पास कई शिकायतें पहुंची थी। सीएमओ ने जांच कराई तो बाहर से दवाएं लिखने की पुष्टि हुई। इस पर उन्होंने प्रभारी डॉ. मनीष, डॉ. अखिलेश और डॉ. आशुतोष वाष्णेय के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए महानिदेशक स्वास्थ्य को पत्र लिखा है। सीएमओ डॉ. सत्यप्रकाश ने बताया कि मरीजों को अस्पताल से बाहर की दवाएं लिखने के मामले में कार्रवाई के लिए महानिदेशक स्वास्थ्य को पत्र भेजा गया है।

राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में अक्षय को मिला दूसरा स्थान

हरदोई (ब्यूरो)। नेहरू युवा केंद्र की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में अक्षय प्रताप सिंह ने हरदोई का प्रतिनिधित्व किया। गांधी का वैश्विक प्रभाव–वर्तमान समय में गांधी के विचारों की प्रासंगिकता विषय पर उन्हें प्रदेश में द्वितीय स्थान मिला है। बावन चुंगी निवासी अक्षय प्रताप सिंह का नेहरू युवा केंद्र की राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में चयन हुआ था। 75 जिलों के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। जिला युवा अधिकारी प्रतिमा वर्मा ने बताया कि जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में अक्षय प्रताप सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया था। बताया कि अब दो अक्टूबर को संसद में होने वाले कार्यक्रम में प्रतिभाग के लिए युवाओं का चयन किया जा रहा है। युवा अधिकारी सहित नेहरू युवा केंद्र के स्वयं सेवकों ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

राहगीरों का दूर होगा दर्द, मार्ग निर्माण के लिए 99.80 लाख स्वीकृत

बेहंदर (ब्यूरो)। 15 हजार से अधिक राहगीरों को मिलने वाले प्रतिदिन के दर्द से जल्द ही राहत मिलेगी और उनका सफर सुहाना होगा। शासन ने पल्हाराई मार्ग के पुनर्निर्माण के लिए 99.80 लाख की स्वीकृति जारी कर दी है। लोक निर्माण विभाग ने स्वीकृति के साथ ही टेंडर आदि की प्रक्रिया शुरू करा दी है। संडीला–मल्लावां मार्ग से पल्हाराई गांव तक जाने वाला मार्ग बेहद जर्जर हो गया है। मार्ग की बजरी व गिट्टियां उखड़ने के कारण सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं और इस मार्ग से गुजरने वाले करीब 15 हजार से अधिक राहगीरों को समस्या का सामना करना पड़ता था। राहगीरों को होने वाली समस्या से जुड़ी खबर को अमर उजाला ने 18 सितंबर के अंक में संपर्क मार्ग क्षतिग्रस्त, सफर में 15 हजार राहगीर खाते हिचकोले शीर्षक से खबर को प्रमुखता से प्रकाशित किया।

मातृभाषा में पत्राचार किया तो IRS अफसर का तबादला, दिखावे की खोली कलई

कानपुर (ब्यूरो)। हिंदी के उत्थान के लिए मनाए जा रहे हिंदी पखवाड़ा दिवस पर भारतीय राजस्व सेवा के वरिष्ठ अधिकारी और सीजीएसटी कमिश्नर सोमेश तिवारी का हिंदी प्रेम भारी पड़ गया। राजभाषा में पत्रावली से लेकर दिशा–निर्देशों को अंग्रेजी में जारी करने के विरोध ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीआईसी) में खलबली मचा दी है। उन्होंने प्रमाण के साथ शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) तक की है। पीएमओ ने पूरे मामले में सात दिन के अंदर रिपोर्ट मांगी लेकिन कोई जवाब नहीं दिया गया। नतीजा ये हुआ कि उनका ट्रांसफर गुंटूर कर दिया गया। नियमों को किनारे रख किए गए ट्रांसफर के विरोध में वे हाईकोर्ट चले गए हैं। कानपुर में जीएसटी आयुक्त ऑडिट पद पर कार्यरत सोमेश तिवारी राजभाषा का कार्य भी करते हैं। राजभाषा में पत्राचार की पैरवी करते हैं। वह विभाग में 90 फीसदी से ज्यादा कामकाज अंग्रेजी में होने का लगातार विरोध कर रहे थे।

27 अपात्रों को लाभ...खाते में भेजे 10.80 लाख, अभी तक सिर्फ 5.35 लाख की वसूली

कानपुर (ब्यूरो)। कानपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना में जिले में फर्जीवाड़ा हुआ है। गरीबों के आवास अमीरों को आवंटित कर दिए गए। 2016–17 से लेकर 2022–23 तक जिले में 27 अपात्रों को पीएम आवास दिए गए हैं। इनके अपात्रों के खाते में करीब 10.80 लाख रुपये की धनराशि भी भेजी गई। इसमें सिर्फ 5.35 लाख रुपये की ही वसूली जा सकी है।

कच्चे घरों में रहने वाले गरीबों को प्रधानमंत्री आवास देने का प्रावधान है। तीन किस्तों में 1.20 लाख की धनराशि प्रति लाभार्थी दी जाती है। योजना का लाभ उसी लाभार्थी को दिया जाता है जिसका घर कच्चा हो और सालाना आय एक लाख रुपये से ज्यादा न हो। आवेदनों का सत्यापन सचिव करते हैं, ऐसे में उन्होंने अमीरों को योजना का पात्र घोषित कर दिया।

इससे उनके बैंक खातों में किस्त पहुंच गई। हाल ही में शासन ने अपात्र लाभार्थियों को आवास देने वाले लापरवाह जिलों की लिस्ट जारी की है तो यह मामला सामने आया। अपात्रों को आवास देने में जिला 48वें स्थान पर रहा। अपात्र मिले 27 लाभार्थियों में से सिर्फ 14 अपात्रों के खाते में रोक लगाकर धनराशि वापस ली गई है, शेष 13 ने धनराशि हजम कर डाली।

जिले में वर्ष 2016–17 से 2022 तक जिले के करीब 20 लाभार्थी ऐसे हैं जिन्होंने आवास का पैसा तो ले लिया लेकिन आवास आज तक नहीं बनाया। शिवराजपुर ब्लॉक के तीन, पतारा के दो, चौबेपुर के तीन, कल्याणपुर के दो, भीतरगांव के दो और घाटमपुर के दो लाभार्थी धनराशि लेने के बाद गांव छोड़कर चले गए हैं। वहीं, छह लाभार्थी ऐसे हैं जिनके खाते में राशि भेजी गई पर आवास अभी तक नहीं बन सका है।

प्रदेश के सभी जिलों में 2016–17 से लेकर 2023 तक 9217 अपात्रों को प्रधानमंत्री आवास आवंटित किए गए। टॉप दस जिलों में ही 3340 अपात्रों को आवास दिए गए हैं। अपात्रों से 54.61 करोड़ की रिकवरी की जानी है। इसमें से अभी सिर्फ 35.75 करोड़ की वसूली हो सकी है। अपात्रों की सूची तैयारी की गई है, अब सभी को नोटिस भेजकर धनराशि वसूली जाएगा। जो लोग पलायन कर गए हैं, उनको पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

छह एडेड विद्यालयों का बदलेगा स्वरूप, बेहतर होंगे संसाधन

हरदोई (ब्यूरो)। माध्यमिक एडेड विद्यालयों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने के लिए छह विद्यालयों को चुना गया है। जल्द ही इन विद्यालयों में संसाधनों को बेहतर करने का कार्य शुरू हो जाएगा। इससे विद्यालय के विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद से संबद्ध 72 एडेड विद्यालय संचालित हैं। इन विद्यालयों में अधिकांश में संसाधनों की कमी है और भवन भी जर्जर हालत में पहुंच गए हैं। विद्यालय प्रबंध समिति की ओर से भवनों की मरम्मत कराई जाती है, मगर वृहद स्तर पर कार्य नहीं हो पा रहा है। इससे इन विद्यालय के विद्यार्थियों को संसाधनों के अभाव में शिक्षा प्राप्त करनी होती है।

शासन की ओर से विद्यालयों में संसाधन उपलब्ध कराने के लिए प्रोजेक्ट अलंकार शुरू किया गया है। इसके तहत विद्यालयों को संसाधनों की लिए जरूरी धनराशि का 75 प्रतिशत शासन की ओर से उपलब्ध कराया जाता है। इसके लिए शासन की ओर से प्रस्ताव मांगें गए थे। जिले से छह विद्यालयों की ओर से प्रस्ताव दिए गए। जिनमें से दो का अनुमोदन कर शासन को भेज दिया गया है। वहीं चार विद्यालयों की जिला स्तरीय टीम सत्यापन कार्य कर रही है। सत्यापन के उपरांत इन विद्यालयों के प्रस्ताव का शासन को भेज दिया जाएगा। प्रोजेक्ट अलंकार में शामिल होने पर इन विद्यालयों में संसाधन बेहतर हो जाएंगें। जिला विद्यालय निरीक्षक बालमुकुंद प्रसाद ने बताया कि एडेड विद्यालयों में संसाधन बेहतर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के तहत कार्य किया जा रहा है। अधिक से अधिक विद्यालय प्रोजेक्ट अलंकार में शामिल हो। इसका प्रयास किया जा रहा है। रफी अहमद किदवई इंटर कालेज हरदोई और जनता इंटर कालेज पुरसौली का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है।

भाजपा नेता की तलाश में पुलिस ने लखनऊ में डाला डेरा

कानपुर (ब्यूरो)। किसान बाबू सिंह यादव की आत्महत्या के मामले में पुलिस टीमें अलग–अलग स्तरों पर सबूत इकट्ठा करने में जुटी रहीं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कानपुर समेत चार अलग–अलग शहरों में दबिश दी। वहीं भाजपा नेता डॉ. प्रियरंजन आशू दिवाकर की गिरफ्तारी के लिए एक टीम लखनऊ में डेरा जमाए हुए है। ज्वाइंट सीपी आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया कि बीजेपी नेता की लोकेशन लखनऊ में मिली थी। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम और सर्विलांस की टीमें लखनऊ में हैं। वहीं फरार अन्य अभियुक्तों की तलाश में पुलिस ने नोएडा, दिल्ली, गाजियाबाद, मैनपुरी, फतेहपुर में संभावित ठिकानों पर दबिश, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। इस दौरान पुलिस की टीमें 200 से अधिक लोगों से भी पूछताछ की है। इधर फरार आरोपी मैनपुरी निवासी शिवम चौहान की कई बड़े भाजपा नेता के साथ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। पुलिस अधिकारियों का दावा

है कि शिवम को जो सरकारी गनर मिला हुआ था, उसे घर पर छोड़कर फरार है। उसकी तलाश में टीमें जुटी हैं।

जेसीपी ने बताया कि जालसाजों ने वर्ष 2018 में बाबू सिंह से एग्रीमेंट कराया था। पुलिस अब इस बिंदु पर जांच कर रही है कि आरोपियों रजिस्ट्री से पहले एग्रीमेंट निरस्त कराया था या नहीं। वहीं, राहुल जैन द्वारा बाबू सिंह की जमीन को इतनी जल्दी क्यों बेचा, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस की एक टीम बीजेपी नेता डॉ. प्रियरंजन की संपत्तियों का ब्योरा जुटा रही है। इसके साथ ही उसके बैंक खातों की डिटेल भी एकत्रित करने में जुटी है। इन संपत्तियों को भी अवैध तरीके से खरीदा गया होगा, तो उसकी भी जांच की जाएगी। किसान बाबू सिंह की बेटियों ने बुधवार को जिलाधिकारी विशाख जी. से मुलाकात की। बेटियों ने डीएम से कहा कि पिता के मौत के जिम्मेदारों के घर कब बुलडोजर चलेगा। इस पर डीएम ने उन्हें भरोसा दिया कि परिवार के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। नियमानुसार कार्रवाई करके कब्जा ली गई जमीन भी मुक्त कराई जाएगी। इस दौरान संघर्ष समिति के संयोजक और सपा नेता अभिमन्यु गुप्ता, फतेहबहादुर सिंह गिल, किसान बाबू सिंह की पत्नी बिट्टन देवी, बेटियां रूबी व काजल व अन्य लोग मौजूद रहे।

मॉल कर्मी युवती से लूटपात और सामूहिक दुष्कर्म, लोकलाज के डर से नहीं बताई थी आपबीती, तीन गिरफ्तार

कानपुर (ब्यूरो)। कानपुर में युवक के साथ मॉल में ड्यूटी करके घर लौट रही युवती को रास्ते में चार युवकों ने रोक लिया था। उसके और उसके मित्र के साथ में मारपीट और लूटपाट की। इसके बाद सड़क से किनारे ले जाकर युवती के साथ दुष्कर्म किया था। मामले में युवती और उसके मित्र ने लोकलाज के डर से पुलिस को सिर्फ मारपीट और लूटपाट की घटना ही बताई।

घटना की सूचना पर पहुंची सेन पश्चिम पारा पुलिस ने आनन फानन में कार्रवाई करते हुए तलाश शुरू कर दी। युवती और उसके मित्र को जब पुलिस की कार्रवाई पर भरोसा हुआ, तो उसने घटना की सच्चाई बताई। साउथ जोन के थाना सेन पश्चिम पारा पुलिस ने घटना करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं,

एक आरोपी अभी फरार है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है। बता दें कि रविवार देर रात 112 नंबर पर कॉल कर सूचना दी गई की अज्ञात तीन–चार लड़कों ने युवती और उसके मित्र के साथ मारपीट हुई है। साथ ही,मोटरसाइकिल में तोड़फोड़ की गई है। इस पर थाना सेन पश्चिम पारा में मुकदमा दर्ज किया गया। पीड़िता द्वारा अपने साथ हुई दरिंदगी के संबंध में लोकलाज के कारण पुलिस को अवगत नहीं कराया गया। इसके बाद में न्यायालय के समक्ष बयान दिया गया। पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की और मुखबिर की सूचना पर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनसे देवीदीन के पास से शिवम कुमार का लूटा हुआ मोबाइल बरामद हुआ है। दूसरे अभियुक्त संदीप के पास से पीड़िता का मूल आधार कार्ड, आयु प्रमाण पत्र और सामान्य निवास प्रमाण पत्र की छाया प्रति बरामद हुई।

युवक का पशु बाड़े में फंदे से लटका मिला शव

बेहटामुजावर (ब्यूरो)। मवेशी बांधने वाले बाड़े में युवक का शव रस्सी के फंदे से लटका मिला। चर्चा है कि युवक शराब का लती था। इस पर घर वालों से विवाद हुआ था। परिजनों की सूचना पर पुलिस घटना की जांच कर रही है। थानाक्षेत्र के अवैक गांव निवासी अमित कुमार उर्फ आयरन (24) पिता राधेलाल के साथ खेती में हाथ बंटाता था। मंगलवार शाम वह घर से खाना खाकर गांव में घूमने की बात कहकर घर से चला गया और रात में घर नहीं लौटा। बुधवार सुबह पिता को घर से 50 मीटर दूर स्थित पशु बाड़े में प्लास्टिक की रस्सी से बेटे का शव फंदे से लटका मिला। यह देख परिजन बेहाल हो गए। ग्रामीणों में चर्चा है कि युवक शराब का लती था।

जरीबचौकी रेलवे ओवरब्रिज की डिजाइन तय, 175 करोड़ से होगा निर्माण...चार रैंप बनेंगे

कानपुर (ब्यूरो)। कानपुर में जीटी रोड पर लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए आईआईटी से जरीबचौकी के पास तक बनने वाले एलिवेटेड ट्रैक की दिशा में एक और कदम आगे बढ़ा है। सेतु निगम ने जरीबचौकी पर बनने वाले रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) की डिजाइन तैयार कर ली है। यह आरओबी 175 करोड़ रुपये से बनेगा। डिजाइन के अनुसार आरओबी कालपी रोड पर दर्शनपुरवा के पास से उठेगा और संगीत टॉकीज की तरफ उतरेगा।

कालपी रोड और टाटमिल की तरफ जाने वाली जीटी रोड पर चार–चार लेन के रैंप बनेंगे, जबकि गोल चौराहे की तरफ जा रही जीटी रोड और संगीत टॉकीज रोड पर दो–दो लेन के रैंप बनाए जाएंगे। इनकी मदद से लोग इधर से उधर जा सकेंगे। संभावना इस बात की भी है कि आरओबी बनने के बाद भी जरीबचौकी क्रॉसिंग खुली रखी जाएगी। ऐसा होने पर आरओबी की सर्विसलेन के जरिये भी रेलवे क्रॉसिंग के हर तरफ आवागमन हो सकेगा। डीपीआर के चार–पांच दिन में तैयार होने की उम्मीद है।

इससे अनवरगंज–मंधना रूट पर एलिवेटेड रेलवे ट्रैक बनने का रास्ता भी साफ हो गया है। डिजाइन के अनुसार पुल पर चढ़ने–उतरने के लिए चार रैंप बनेंगे। मतलब चार मार्गों में से किसी से भी इस पुल पर चढ़ा–उतरा जा सकेगा। इनमें से कालपी रोड और टाटमिल की जाने वाली जीटी रोड पर 15 मीटर चौड़े रैंप बनेंगे। वहीं, गोल चौराहे की तरफ जाने वाली जीटी रोड

और संगीत टॉकीज होते हुए घंटाघर जाने वाले मार्ग पर 7.5 मीटर के रैंप बनेंगे। स्वीकृति मिलने से लेकर धनावंटन आदि तय समय पर हुआ तो इसका निर्माण ढाई से तीन साल में पूरा हो जाएगा। अनवरगंज रेलवे स्टेशन से मंधना जाने वाले रेलवे ट्रैक पर पड़ने वाली 17 रेलवे क्रॉसिंग घंटों बंद रहती हैं। इस वजह से जरीबचौकी सहित अन्य सभी क्रॉसिंगों पर वाहनों की लंबी कतारें लगती हैं। शहर को इस समस्या से निजात दिलाने के लिए इस रेलवे रूट एलिवेटेड करने की योजना बनाई गई है। 1200 करोड़ रुपये की लागत से जरीबचौकी के पास से आईआईटी तक एलिवेटेड ट्रैक बनाया जाना है। योजना को रेलवे बोर्ड भी सैद्धांतिक सहमति दे चुका है। साथ ही इसे गति शक्ति मिशन में शामिल किया गया है। लंबी कवायद के बाद इसके निर्माण में अतिव्यस्त जरीबचौकी क्रॉसिंग पर आरओबी को लेकर अड़ंगा लग गया था। सेतु निगम ने क्रॉसिंग पर आरओबी निर्माण के लिए बने प्रस्ताव को दो महीने पहले खारिज कर दिया था। इसके बाद एलिवेटेड रेलवे ट्रैक को जरीबचौकी क्रासिंग के ऊपर से अनवरगंज स्टेशन तक बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया। उसमें लागत करीब 300 करोड़ रुपये बढ़ रही थी। इसलिए इसे भी खारिज कर दिया गया। अब सेतु निगम इसी क्रॉसिंग पर आरओबी निर्माण के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर रहा है, जो फाइनल हो गया है। जरीबचौकी रेलवे रेलवे क्रॉसिंग पर बनने वाले आरओबी में चार रैंप बनेंगे, जो इसे कालपी रोड, जीटी रोड और घंटाघर रोड से जोड़ेंगे। डीपीआर चार–पांच दिन में तैयार हो जाएगा।

मेडिकल कॉलेज में आग! मरीजों को निकालो...चिल्लाते भागे डॉक्टर

कानपुर (ब्यूरो)। कानपुर में बिठूर स्थित रामा मेडिकल कॉलेज की पहली मंजिल पर बने उपकरण कक्ष में बुधवार सुबह शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। चारों तरफ धुआं भरने से अफरातफरी मच गई। मरीजों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। आनन फानन आईसीयू में भर्ती आठ मरीजों को एंबुलेंस से दूसरे अस्पताल भेजा गया है। वहीं वार्डों में भर्ती करीब 500 मरीजों को बाहर निकाला गया। आईसीयू से दूसरे अस्पताल भेजी गई एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। उसका रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन हुआ था। हालांकि अस्पताल प्रबंधन और कर्मचारियों ने सक्रियता दिखाते हुए बड़ा हादसा होने से बचा लिया। वहीं, मौके पर पहुंची फायरबिग्रेड की पांच गाड़ियों ने धुएं पर काबू पाया। रामा मेडिकल कॉलेज की तीन मंजिला इमारत के पहले तल पर ईएनटी विभाग की ओपीडी और उपकरण कक्ष है। दूसरे तल पर नेत्र रोग विभाग की ओपीडी, आईसीयू व एनआईसीयू है। तीसरे तल पर आर्थो विभाग की ओपीडी है। ओपीडी के अलावा वार्ड भी मरीजों से भरे थे। सुबह करीब 11रू25 बजे प्रथम तल के उपकरण कक्ष में शॉर्ट सर्किट से फाइबर शीट में

आग लग गई। अस्पताल कर्मचारियों ने अग्निशमन यंत्र से आधा घंटे में आग पर काबू पा लिया, लेकिन धुआं पूरे परिसर में फैल गया। यह देख ओपीडी में आए मरीज और तीमारदार बाहर की ओर भागे। अफरातफरी में सीढ़ियों से गिरकर कुछ लोग चोटिल भी हुए। इस बीच धुआं आईसीयू और जनरल वार्ड में भी पहुंच गया। आईसीयू में आठ मरीज और वार्ड में करीब 500 मरीज थे। सांस लेने में दिक्कत होने पर डॉक्टरों, तीमारदारों और कर्मचारियों ने बाहर निकाला। गंभीर रोगियों को एंबुलेंस की मदद से करीब 11 किलोमीटर दूर लखनपुर स्थित रामा डेंटल कॉलेज भेजा गया। यहां उपचार के दौरान उन्नाव के सफीपुर सकलन निवासी लक्ष्मीदेवी विश्वकर्मा (68) की मौत हो गई। इस बीच मौके पर पहुंचीं फजलगंज, पनकी की पांच गाड़ियों ने धुएं पर काबू पाया।

कुछ तीमारदार तो अपने मरीजों को गोद में उठाकर भागे, जिन तीमारदारों के मरीज चलफिर नहीं सकते थेञ उन्हें बेड समेत ही उठाकर अस्पताल के मैदान में पहुंचे। हादसे के बाद मैदान में चारों तरफ बेड ही बेड नजर आ रहे थे। कुछ तीमारदार अपने मरीजों को व्हीलचेयर, तो कई कंधों पर उठाकर भागे। दहशत और खौफ का ऐसा मंजर देखकर कुछ मरीज तो इलाज कराए बिना ही भाग निकले। प्रथम तल पर जिस समय आग लगी उस समय वहां ईएनटी, नेत्र, त्वचा, टीबी, चेस्ट और बाल रोग की ओपीडी चल रही थी। अस्पताल प्रबंधन की माने तो ओपीडी के समय 505 से अधिक मरीज और तीमारदार परिसर में मौजूद थे।

न्यूज सार

लापरवाहों पर कसेंगे नकेल, शासन की मंशा पर होगा काम

रायबरेली (ब्यूरो)। बुधवार की शाम नवागंतुक डीएम हर्षिता माथुर ने कलेक्ट्रेट स्थित ट्रेजरी में पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया। मध्य प्रदेश के भोपाल की रहने वाली व वर्ष 2013 बैच की आईएएस हर्षिता माथुर पूर्व में कई जिलों में काम कर चुकी हैं। डीएम के रूप में कासगंज के बाद रायबरेली दूसरा जिला है। कार्यभार ग्रहण के बाद उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप काम होगा। योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाया जाएगा। लापरवाही करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। योजनाओं को प्राथमिकता पर लागू कराया जाएगा। योजनाओं में किसी भी स्तर पर अनियमितता मिली तो संबंधितों पर कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी टीम भावना से काम करें।

विरोध के बीच शहर में 2.25 करोड़ की 35 अवैध प्लॉटिंग ध्वस्त

रायबरेली (ब्यूरो)। आरडीए से बिना ले–आउट पास कराए प्लॉटिंग करके भूखंडों को बेचने वालों पर शिकंजा कसा गया है। छह मामलों में ध्वस्तीकरण आदेश के बाद आरडीए की टीम ने बेहटाखुर्द के पास करीब 2.25 करोड़ के 30 से अधिक प्लॉटिंग को जेसीबी से ध्वस्त करा दिया। कुछ लोगों ने विरोध करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस को बुलाने की चेतावनी के बाद लोग मौके से खिसक लिए। रायबरेली विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता एम. अहमद ने बताया कि प्लॉटिंग के लिए ले–आउट पास कराना अनिवार्य है। बिना ले आउट पास कराए प्लॉटिंग के करीब 20 मामले चल रहे हैं। इसमें छह मामलों में सचिव के स्तर से ध्वस्तीकरण के आदेश भी पारित किए गए हैं। आदेश के बाद बुधवार को आरडीए की टीम ने परशदेपुर रोड पोस्टमार्टम हाउस के पास बेहटाखुर्द में अजय कुमार अग्रवाल व रीता अग्रवाल के 2.35 करोड़ के प्लॉट ध्वस्त कराए गए हैं।

प्रेमी-प्रेमिका को पेड़ से बांधकर लगाए थप्पड़, वीडियो वायरल

रायबरेली (ब्यूरो)। सरेनी थाना क्षेत्र में प्रेमी–प्रेमिका को पेड़ से बांधकर थप्पड़ों से जमकर पीटा गया। दोनों गुहार लगाते रहे, लेकिन उनकी एक न सुनी गई। बुधवार को पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस हरकत में आई। गांव पहुंचकर पुलिस ने प्रकरण की जांच की। पुलिस की जांच में पुष्टि हुई कि परिजनों और ग्रामीणों ने दोनों की पिटाई की। लड़का–लड़की पक्ष के लोगों ने एक दूसरे के खिलाफ तहरीर दी है। सरेनी के कोहरू मजरे रालपुर गांव में एक किशोर और किशोरी के बीच प्रेम–प्रसंग चल रहा था। दोनों फोन से बात कर रहे थे। दोनों को बात करते हुए परिजनों और ग्रामीणों ने देख लिया।रोती हुई दिख रही है और छोड़ देने की बात कह रही है।

138 लोगों की जांच, डेंगू के दो संदिग्ध केस मिले

रायबरेली (ब्यूरो)। जिले में बुधवार को 138 लोगों की डेंगू व अन्य संक्रामक रोगों की जांच की गई, जिसमें डेंगू के दो संदिग्ध मरीज मिले। संदिग्ध मरीजों के सैंपलों को एलाइजा जांच के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। टायफाइड के भी तीन मरीज मिले हैं। लालगंज के सरेनी क्षेत्र की कुमकुम और जगतपुर क्षेत्र के पूरे त्रिलोक की मिथलेश की डेंगू की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। डेंगू की पुष्टि के लिए सैंपलों को एलाइजा जांच के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। सीएमओ डॉ. वीरेंद्र सिंह का कहना है कि लोग मच्छरों से बचने का प्रयास करें। इस सीजन में मच्छरजनित रोगों संख्या बढ़ जाती है। लक्षण प्रतीत होने पर अस्पतालों में जांच जरूर कराएं।

शहीद स्मारक व सैनिकों के नाम स्कूलों का प्रस्ताव रखा

रायबरेली (ब्यूरो)। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के सभागार में बुधवार को जिला सैनिक बंधु की बैठक हुई। बैठक में उपस्थित सदस्यों का जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी अतुल्य दयाल ने स्वागत किया। सीडीओ पजा यादव ने जिले व शासन स्तर पर पूर्व सैनिकों को प्रदान की जाने वाली विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। बैठक में सैनिक बंधु सदस्यों ने शहीद स्मारक बनवाने व विद्यालयों के नाम शहीदों के नाम पर कराए जाने, पुलिस थानों, चौकियों में पूर्व सैनिकों के लिए अलग पंजिका बनाए जाने, गन लाइसेंस नवीनीकरण, पूर्व सैनिकों को ग्राम विकास समिति का सदस्य बनाए जाने, शहर में वाहन पार्किंग स्थल बनाए जाने सहित अन्य प्रस्ताव रखे। सीडीओ ने नियमानुसार कार्रवाई का भरोसा दिया। सैनिक बंधु समिति के उपाध्यक्ष कैप्टन राजपाल सिंह, दुष्यंत लाल, राम बंश सिंह आदि मौजूद रहे।

चार माह बाद भी 120 कर्मियों को नहीं मिला पैसा

रायबरेली (ब्यूरो)। करीब चार माह पहले नगर पालिका परिषद रायबरेली में हुआ न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस) घोटाला सुर्खियों में बना हुआ है। 120 कर्मचारियों के खाते में पैसा वापस न आने पर अखिल भारतीय मजदूर संघ ने सख्त नाराजगी जताई है। पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर कर्मचारियों का पैसा वापस दिलाने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की है। न्यू पेंशन स्कीम (एनपीएस घोटाले) में कर्मचारियों के खाते से 12 लाख 45 हजार रुपये निकाल लिए गए थे। इस मामले में पालिका में तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर विक्रम शर्मा के खिलाफ सदर कोतवाली में 17 अप्रैल 2023 को धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया गया था। कंप्यूटर ऑपरेटर को निलंबित कर दिया गया था। पुलिस ने उसे जेल भी भेजा था।

चार माह से एक अदद एंबुलेंस को तरस रही आठ हजार आबादी

रामकोट (सीतापुर) (ब्यूरो)। कस्बे की आठ हजार की आबादी स्थायी एंबुलेंस सेवा के लिए चार माह से तरस रही है। स्थायी एंबुलेंस न होने के कारण मरीजों को काफी दिक्कतें झेलनी पड़ती हैं। कई जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से भी इस बाबत पत्राचार हुआ लेकिन अब तक यह समस्या हल नहीं हो पाई। कई बार दुर्घटना में मरीजों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी है। बीते दिनों हुई एक मार्ग दुर्घटना में एक घंटे एंबुलेंस न मिलने पर घायलों ने पुलिस को कॉल कर उनकी जीप का सहारा लिया था। तब वह अस्पताल पहुंच पाए थे। यह हाल तब है जब रामकोट कस्बे में ब्लॉक मंजूर होने के साथ–साथ यह क्षेत्र की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत व न्याय पंचायत भी है।

बालक और किशोरी गंगा में डूबे, दो बहनें तैरकर बाहर निकलीं

ऊंचाहार (रायबरेली) (ब्यूरो)। कोतवाली क्षेत्र के गोकना गांव में बुधवार को तीन बहनें व एक बालक गंगा में नहाने उतरे लेकिन गहरे में जाकर डूबने लगे। इनमें से दो बहनें तो किसी तरह तैरकर बाहर आ गईं लेकिन एक बहन और बालक डूब गए।

पुलिस और गोताखोर स्टीमर के जरिए नदी में डूबे बालक–बालिका की खोजबीन कर रहे हैं, लेकिन देर शाम तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया था। वहीं बच्चों के परिवारों में कोहराम मच गया।

ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के गोकना गांव से होकर गंगा नदी गुजरी है। गांव निवासी राकेश कुमार की तीन बेटियां पायल उर्फ गुंजा (14), सलोनी (15), सुमिरन (10) और गांव निवासी अभिषेक कुमार (12) पुत्र रामलाल दोपहर के समय गंगा में नहा रहे थे। इस दौरान चारों गहरे पानी में पहुंच गए और डूबने लगे। सलोनी और उसकी बहन सुमिरन तो तैरकर बाहर निकल आई, लेकिन पायल व अभिषेक डूब गए।

सलोनी व सुमिरन ने गांव पहुंचकर परिजनों व ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। ग्रामीण पहुंचकर नदी में पायल व अभिषेक की तलाश की, लेकिन कामयाबी नहीं मिल पाई। कुछ देर बाद सूचना पर कोतवाल आदर्श कुमार सिंह ने भी गोताखोरों के साथ स्टीमर के सहारे छात्र–छात्रा की तलाश शुरू की। अभिषेक गांव स्थित सरकारी स्कूल में कक्षा छह का छात्र है। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि बच्चों की खोजबीन कराई जा रही है।

घटना से परिजन गमगीन हैं। अभिषेक की मां रमा कहती हैं कि बेटा ठीकठाक था। रोज स्कूल चला जाता था, लेकिन आज घर पर ही रह गया था। उसे क्या पता था कि उसका बेटा नदी में डूब गया जाएगा। पिता रामलाल ने बताया कि उसे कुछ नहीं सूझ रहा है।

बेटी पायल के नदी में डूबने का सदमा मां लाली बर्दाश्त नहीं कर पाई और उसकी अचानक हालत बिगड़ गई। परिजनों ने लाली को सीएचसी में भर्ती कराया है। लाली कहती है कि बेटी उसकी दुलारी थी, भगवान मेरी बेटी को वापस कर दो।

आक्रोशित प्रधानों ने ब्लॉक मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

पिसावां (सीतापुर) (ब्यूरो)। सचिव ने प्रस्ताव तैयार किया। इसके लिए न तो ग्राम पंचायत की खुली बैठक की और न ही प्रधान को सूचना दी। जानकारी होने पर प्रधान ने सचिव से प्रस्ताव की कापी मांगी जिसको लेकर सचिव हीलाहवाली करते रहे। इससे नाराज प्रधानों ने बुधवार ब्लॉक मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। प्रधान संघ के जिला उपाध्यक्ष पंकज शुक्ला, महामंत्री कुशाग्र दीक्षित, ब्लॉक अध्यक्ष मुन्ना सिंह व पूर्व अध्यक्ष संतोष गौतम ने 30 प्रधान साथियों के साथ ब्लाक कार्यालय के सामने करीब चार घंटे तक ब्लॉक प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। ग्राम पंचायत बरमहौली प्रधान संग्राम सिंह के बगैर जानकारी के सचिव राजकुमार ने गुपचुप तरीके से प्रस्ताव तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेज दिया। जानकारी होने पर सचिव से प्रस्ताव की कॉपी मांगी गयी तो वह हीलाहवाली करते रहे।

मंगलवार को सचिव ने कहा बुधवार को प्रस्ताव की कापी उपलब्ध करा देंगे। बुधवार को सचिव ब्लॉक ही नही आए, जिसके चलते प्रधानों का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया और ब्लॉक कार्यालय के सामने ही जमीन पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। एडीओ पंचायत अमित चतुर्वेदी, एडीओ आईएसबी ने प्रधानों को कई बार समझाने का प्रयास किया, लेकिन प्रधान प्रस्ताव की कॉपी न मिलने तक डटे रहने की बात करते रहे।

बीडीओ ने फोन पर प्रधानों से बात किया लेकिन फिर भी प्रधान अपनी जिद पर अड़े रहे। बीडीओ प्रीती तिवारी ने बताया बरमहौली प्रधान किसी अपात्र को आवास दिलाना चाहते थे, जिसे रिमांड कर दिया गया था। रही बात प्रस्ताव की उसके लिए एडीओ पंचायत अमित चतुर्वेदी की अध्यक्षता में सचिव ने प्रस्ताव किया।

मैं सांसद धौरहरा का प्रतिनिधि हूं...टेंडर मत डालना

सीतापुर (ब्यूरो)। मैं सांसद धौरहरा का प्रतिनिधि बोल रहा हूं... लोक निर्माण विभाग का टेंडर मत डालना वरना ठीक कर दूंगा। बीते 15 सितंबर को इस तरह का कॉल लोक निर्माण विभाग में कंस्ट्रक्शन का काम करने वाले एक ठेकेदार को किया गया। इतना ही नहीं विभागीय कार्य से 16 सितंबर को लोक निर्माण विभाग के कार्यालय पहुंचे इस कंस्ट्रक्शन कंपनी मालिक के पुत्र के साथ गाली गलौज कर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

पीड़ित ने पूरे मामले की शिकायत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सीतापुर से की और जान बचाने की गुहार लगाई। अधिकारियों के निर्देश पर शहर कोतवाली में गत दिवस आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

वहीं, इसी तर्ज पर एक अन्य ठेकेदार के बेटे के साथ लोक निर्माण विभाग के कार्यालय के अंदर मारपीट की गई। यह दोनों मामले निर्माण खंड– 4 के तहत हरगांव व लहरपुर विधानसभा क्षेत्र में 3 करोड़ 16 लाख रुपये से सड़क निर्माण के टेंडर से जुड़े हैं।

आरोप है कि मेसर्स उत्कर्ष कंस्ट्रक्शंस के मालिक मुरारी वर्मा, मेसर्स लक्ष्मी बिल्डर्स के कैलाश वर्मा, नरेंद्र वर्मा, नीरज वर्मा और उनके अज्ञात साथी किसी अन्य को लोक निर्माण विभाग का टेंडर नहीं लेने देना चाहते हैं। यदि कोई ठेकेदार टेंडर डालने का प्रयास करता है तो मुरारी वर्मा खुद को सांसद धौरहरा का प्रतिनिधि बताकर धमकाता है। वहीं, नरेंद्र वर्मा खुद को कारागार राज्यमंत्री का प्रतिनिधि बताकर टेंडर डालने पर अंजाम भुगतने की धमकी देता है।

यह लोग लोक निर्माण विभाग के ऑफिस में डेरा डालकर बैठे रहते हैं और यदि किसी अन्य कंपनी का मालिक या ठेकेदार टेंडर की जानकारी करने पहुंचते हैं तो यह लोग मारपीट पर आमादा हो जाते हैं। बाद में साठगांठ कर टेंडर लेकर पैसे की बंदरबांट करते हैं।

लोक निर्माण विभाग के सूत्रों की मानें तो दोनों मुकदमों में जिन्हें आरोपी बनाया गया है,वे सड़क निर्माण का ठेका पहले खुद लेने का प्रयास करते हैं। यदि कोई दूसरा टेंडर लेकर सड़क निर्माण करवा ले तो सड़क पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर स खराब कर देते हैं। इसके बाद सड़क को मानकविहीन बताते हुए जांच करवाने लगते हैं।

घटना के बाद कार्यालय के कर्मियों ने झगड़ा करने वाले लोगों को शांत करवाया था। मैंने तुरंत यह निर्देश जारी किए कि बाहरी व्यक्ति केवल अपने जरूरी काम से ही कार्यालय आएं और काम निपटाकर यथाशीघ्र चला जाए। प्रहरी एप से टेंडर आवंटन होता है, कोई हेराफेरी नहीं हो सकती है। कार्यालय में सब अनुशासित रहें, इस बात का पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

21 लाख दीये प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य, लगाए जाएंगे 25 हजार वालंटियर

अयोध्या (ब्यूरो)। दीपोत्सव मेले में इस बार सरयू तट पर 21 लाख दीये प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य है। इसकी तैयारी को लेकर मुख्य विकास अधिकारी अनिता यादव ने बैठक की। इसमें सभी विभागों को जिम्मेदारी दी गई। जिलाधिकारी के आवासीय सभागार में आयोजित बैठक में निदेशक पर्यटनधनोडल अधिकारी दीपोत्सव प्रखर मिश्रा व एडीएम सिटीधमेलाधिकारी सलिल कुमार पटेल मौजूद रहे। एडीएम ने बैठक में बताया कि नौ नवंबर को गोवस्त द्वादशी, 10 नवंबर को धन त्रयोदशी, 11 नवंबर को नरक चतुर्दशीध छोटी दीपावली दीपोत्सव और 12 नवंबर को दीपोत्सव का पर्व होगा। बताया कि इस दीपोत्सव पर 21 लाख दीयों को प्रज्ज्वलित कर नया कीर्तिमान स्थापित करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके लिए 25 हजार वालंटियर लगाए जाएंगे। बैठक में दीपोत्सव में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों से संबंधित संस्कृति, सूचना, पर्यटन, नगर निगम, परिवहन, उद्यान, विद्युत, सिंचाई, लोक निर्माण विभाग, चिकित्सा आदि के अफसरों ने अपने विभाग से तैयारियों के बारे में जानकारी दी। अफसरों को सप्ताह भर में इस पर कार्रवाई तेज करने का निर्देश दिया गया। बैठक में दीपोत्सव पर अयोध्या के प्रमुख धार्मिक स्थलों, प्रमुख स्थानों पर दीप प्रज्जवलन, चौदह कोसी एवं पंचकोसी परिक्रमा एवं कार्तिक पूर्णिमा मेला को सकुशल संपन्न कराए जाने के संबंध में चर्चा की गई। एडीएम सलिल पटेल ने बताया कि चौदह कोसी परिक्रमाध्अक्षय नवमी 20 नवंबर को प्रातरू 02.09 बजे से प्रारंभ होकर 21 नवंबर को रात्रि 11:38 बजे पर समाप्त होगी। पंचकोसी परिक्रमा 22 नवंबर को रात्रि 09.25 बजे से प्रारंभ होकर 23 नवंबर को शाम 07.21 बजे समाप्ति होगा। कार्तिक पूर्णिमा स्नान 26 नवंबर को दोपहर 03:11 बजे से प्रारंभ होकर 27 नवंबर दोपहर 02. 36 बजे पर समाप्त होगा।

33 केवी लाइन में फॉल्ट, छह घंटे गुल रही बिजली

ऊंचाहार (रायबरेली) (ब्यूरो)। अमांवा ट्रांसमिशन से सवैया तिराहा उपकेंद्र को आई 33 केवी विद्युत लाइन का जगतपुर के पास एक इंसुलेटर खराब हो गया। इससे आपूर्ति ठप हो गई। मरम्मत के बाद बुधवार की शाम बिजली आपूर्ति शुरू की गई है। इस दौरान लगभग छह घंटे तक बिजली न आने से 75 हजार की आबादी को परेशानी का सामना करना पड़ा। उपकेंद्र में लक्ष्मीगंज, टाउन, तहसील व जमुनापुर फीडर संचालित हैं। इनसे नगर की लगभग 25 हजार व सवैयाधानी, हटवा, लक्ष्मीगंज, सांवापुर नेवादा, कोटिया चित्रा, सरांयभान, होरैसा, पचखरा समेत 50 गांवों की लगभग 50 हजार की आबादी को बिजली दी जाती है। बुधवार की दोपहर 33 केवी लाइन में खराबी आने से बिजली गुल हो गई। गर्मी में लोग बेचौन रहे। जानकारी होने पर लाइनमैनों ने खराबी की खोजबीन शुरू की।

डीपीआरओ, सीएमओ और बिजली अफसरों को फटकार

सीतापुर (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्राक्कलन समिति के चेयरमैन लोकेंद्र प्रताप सिंह ने नैमिष चक्रतीर्थ के कार्यों में भौतिक प्रगति कम होने पर नाराजगी जताई। मिश्रिख तहसील सभागार में बुधवार को समीक्षा बैठक में उन्होंने स्वच्छता मिशन को लेकर डीपीआरओ, स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर सीएमओ व बिजली विभाग की समस्याओं पर अधीक्षण अभियंता को जमकर फटकारा। प्राक्कलन समिति चेयरमैन लोकेन्द्र प्रताप सिंह ने एडीएम से कहा कि आपदा से संबंधित हुई घटनाओं में राहत धनराशि देते रहें और जो भी घटनाएं हुई हैं, उनकी रूप रेखा तैयार कर ली जाए। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि दाखिल खारिज में विशेष ध्यान दिया जाए। वरासत के प्रकरणों में भी गंभीरता लाई जाए। घरौनी के प्रकरणों में आने वाली आपत्ति की भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इन सब मामलों में लेखपालों संग बैठक अवश्य करें।

समिति ने जिला पंचायत राज अधिकारी मनोज कुमार से स्वच्छ भारत मिशन के तहत कराए गए कार्यों की जानकारी ली। कहा कि अभी तक जो शौचालय बनाये गये हैं उनकी वर्षवार सूची तैयार कर ली जाए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान समिति ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि जो भी अधूरे कार्य हैं उन्हें समय से पूरा कराएं। जिन अस्पतालों में एक्सरे मशीन की उपलब्धता नहीं है, वहां कमी पूरी करें। अधिक से अधिक पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड जारी किए जाएं । पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान समिति ने नैमिषारण्य में मंडप हाल निर्माण में प्रगति पर जोर दिया। नैमिषारण्य में बनाये जा रहे कॉरीडोर की स्थिति की जानकारी लेते हुये चेयरमैन ने निर्देश दिए कि उनका सौन्दर्यीकरण भी कराया जाए। अधिशासी अभियन्ता से नैमिषारण्य में स्थापित किए गए पावर हाउस की जानकारी लेते हुए कहा कि जो पावर हाउस बनाए जा रहे हैं, उन्हें समय से पूरा किया जाए। जर्जर व लटके हुए तारों के बदलने और ट्रांसफार्मरों का उच्चीकरण शीघ्र कराने के निर्देश दिए गए। गृह विभाग की समीक्षा के दौरान पुलिस अधीक्षक से अभी तक हुई कार्रवाई की स्थिति की जानकारी ली। समिति ने कहा कि सभी घटनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए और अपहरण, गैंगस्टर, गुंडा एक्ट आदि घटनाओं पर कार्यवाहियां निरन्तर की जाएं। बैठक में प्राक्कलन समिति के सदस्य विधायक मनीषा अनुरागी, विकास गुप्ता, विनोद चतुर्वेदी,अभय सिंह, चन्दन चौहान, गौरव कुमार, शशांक वर्मा, सचिन यादव, शशांक त्रिवेदी, डीएम अनुज सिंह, एसपी चक्रेश मिश्र, सीडीओ अक्षत वर्मा, डीएफओ बृजमोहन शुक्ला, एडीएम राम भरत तिवारी, अपर पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह, उपजिलाधिकारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मिश्रिख का निरीक्षण भी किया गया और जनरल वार्ड में भर्ती मरीजों का हालचाल भी पूछा गया बैठक से पूर्व प्राक्कलन समिति के चेयरमैन सहित सदस्यों की ओर से नैमिषारण्य में देवदेवेश्वर में भगवान शिव का रूद्राभिषेक किया गया व राजघाट गए। इसके बाद श्री प्यारे लाल पांडे मेमोरियल पब्लिक स्कूल के परिसर में मौलश्री का पौधा लगाया। स्कूल में विधायक शशांक त्रिवेदी ने बच्चों से वार्ता करते हुए जांच टीम के बारे में जानकारी दी।

85 अनफिट स्कूली वाहनों पर शिकंजा कसने की तैयारी

बहराइच (ब्यूरो)। जिले के 85 अनफिट वाहनों पर शिकंजा कसने की तैयारी में हैं। विभाग ने वाहन संचालकों को आखिरी नोटिस जारी कर फिटनेस कराने की चेतावनी दी है। एक सप्ताह के अंदर अगर कोई भी अनफिट स्कूली वाहन सड़कों पर फर्राटा भरते मिला, तो उसका रजिस्ट्रेशन को छह माह के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। परिवहन विभाग में 477 स्कूली वाहनों का पंजीकरण है। विभाग की ओर से नवीन शिक्षण सत्र प्रारंभ होने से पूर्व 118 ऐसे स्कूली वाहनों को चिन्हित किया था जिनका फिटनेस समाप्त हो गया था। एआरटीओ प्रशासन राजीव कुमार द्वारा सभी वाहन संचालकों को नोटिस जारी कर वाहनों का फिटनेस कराने के निर्देश दिए थे। नोटिस मिलने के बाद महज 33 स्कूली वाहनों ने तो अपना फिटनेस करा लिया, लेकिन 85 वाहन के संचालकों ने अपने वाहनों का फिटनेस कराना जरूरी नहीं समझा।

देश की समस्त परंपराओं का होगा समागम, हर वर्ग की भागीदारी की बन रही रणनीति

अयोध्या (ब्यूरो)। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का समारोह भगवान श्रीराम की मर्यादा के अनुरूप होगा। समारोह में जन–जन के राम की परिकल्पना भी साकार होती नजर आएगी। सबके राम, सबमें राम... की अवधारणा पर हर वर्ग की भागीदारी समारोह में सुनिश्चित हो इसकी तैयारी की जा रही है। समारोह में देश की समस्त संत परंपराओं का समागम हो, इसे लेकर विश्व हिंदू परिषद ने कार्ययोजना तैयार करनी शुरू कर दी है।

विहिप के केंद्रीय मंत्री व अखिल भारतीय धर्माचार्य संपर्क प्रमुख अशोक तिवारी ने अमर उजाला से बात करते हुए बताया कि प्राण प्रतिष्ठा आयोजन में राममंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को हर स्तर पर संगठन का सहयोग प्राप्त होगा। संपर्क प्रमुखों द्वारा मठ–मंदिरों में निवास करने वाले संतों से संपर्क तो होगा ही, इसके अलावा वनवासी और गिरवासी क्षेत्रों में स्थित मंदिरों से भी संपर्क होगा।

उन्होंने बताया कि भगवान राम ने जिस प्रकार उत्तर–दक्षिण और पूर्व–पश्चिम के राज्यों में निवास करने वालों को अपने

साथ जोड़कर रामराज्य की स्थापना की, ठीक उसी प्रकार इस समारोह के जरिए संपूर्ण राष्ट्र जुड़ने जा रहा है। पूजन उत्सव में प्रत्येक राज्य की सहभागिता हो इसके लिए हर पंथ, संप्रदाय और जातियों के संतों से संपर्क आवश्यक है। इसके लिए विहिप ने संपर्क प्रमुखों की एक टीम बनाई है जिसमें 300 कार्यकर्ता शामिल हैं। ये ऐसे कार्यकर्ता हैं जो प्रांत स्तर पर साधु–संतों से संपर्क करने का काम करते हैं। इन टीमों को जिला व प्रांतवार संतों से संपर्क की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। रामलला की प्राणप्रतिष्ठा का समारोह श्रीराम के राज्याभिषेक की तर्ज पर भव्य व ऐतिहासिक हो, ऐसी योजना–रचना बन रही है।

अशोक तिवारी ने बताया कि हमारा प्रयास है कि देश की कोई भी धार्मिक व आध्यात्मिक परंपरा समारोह में शामिल होने से छूट न जाए। अनुमान है कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश की करीब 200 परंपराओं का समागम होगा। बनवासी, गिरिवासी, तटीयवासी, द्वीप की परंपराएं, झारखंड, असम की जनजातीय परंपराओं के प्रमुखों को आमंत्रित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ के रामनामी व सतनामी समाज को आमंत्रित किया जाएगा। वनवासी समाज के उत्थान के लिए व्यापक स्तर पर काम करने वाले गहरा गुरु को भी समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। ऐसी कई अन्य परंपराओं को सूचीबद्ध कर उन्हें आमंत्रित करने की तैयारी है।

बोल राधा बोल से आया था जूही के कॅरियर में उछाल

साल 1992 में बालीवुड जूही चावला की फिल्म बोल राधा बोल आई थी। इस फिल्म से जूही के करियर में काफी उछाल आया था। इस फिल्म में वह ऋषि कपूर के अपोजिट दिखी हैं। फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री दर्शकों काफी पसंद आई थी। इसके साथ ही फिल्म के गाने लोगों को काफी पसंद आए थे।

बोल राधा बोल फिल्म को डेविड धवन ने निर्देशित किया था। यह एक रोमांटिक, क्राइम, एक्शन फिल्म थी जो सिनेमाघरों में आते ही बॉक्स ऑफिस पर छा गई थी। लेकिन इस बात को बेहद कम लोग जानते हैं कि जिस फिल्म से जूही चावला, ऋषि कपूर संग खूब पसंद की गई थीं। दरअसल, उस फिल्म को करने से जूही चावला बेहद डरी हुई थीं। बता दें कि साल 1992 में जूही चावला की एक फिल्म रिलीज हुई थी, जिसमें उनका नाम राधा था। उस फिल्म का नाम राधा का संगम था। इस फिल्म को डायरेक्टर कीर्ति कुमार ने निर्देशित किया था। जूही गोविंदा के अपोजिट देखी गई थीं। हालांकि अफसोस यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म उस साल बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर साबित हुई थी। एक रिपोर्ट्स के अनुसार, राधा का संगम डिजास्टर साबित होने के बाद जूही चावला इतनी ज्यादा डर गई थीं कि वह इस राधा नाम से कोई फिल्म करना चाहती थी। ऐसे में जब डेविड धवन ने उन्हें फिल्म बोल राधा बोल के लिए उन्हें अप्रोच किया तो चाह कर भी उस फिल्म को नहीं करना चाहती थीं क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं उनकी ये फिल्म भी फ्लॉप ना हो जाए। हालांकि इस बार ऐसा नहीं हुआ। बोल राधा बोल साल 1992 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल थी। बता दें कि जूही चावला अब भले ही कम फिल्में करती हैं लेकिन एक वक्त था जब उनके नाम की तूती बोलती थी। जूही चावला ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1986 में आई फिल्म सल्तनत से की थी। जूही के करियर को 37 साल हो चुका है। हालांकि उन्होंने ने बिजनेसमैन जय मेहता को 1997 में शादी कर बॉलीवुड से दूरी बना ली थीं।

अब वह फिल्मों कम एक्टिव हैं। सल्तनत फिल्म के बाद वह उन्होंने बॉलीवुड को उन्होंने 1986 में सल्तनत से अभिनय की शुरुआत की। उनकी पहली व्यावसायिक सफलता ब्लॉकबस्टर कन्नड़ फिल्म प्रेमलोक (1987) थी। उन्होंने लक्स न्यू फेस ऑफ द ईयर के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता और महत्वपूर्ण और व्यावसायिक सफलता कयामत से कयामत तक , अमर प्रेम (1989), विक्की दादा (1989), लव लव लव (1989), प्रतिबन्ध (1990), स्वर्ग (1990), बेनाम बादशाह (1991), और राजू बन गया जेंटलमैन (1992) जैसी फिल्में दी।

उर्फी जावेद की नेटवर्थ कई रईसों से अधिक

आपको जानकार हैरानी होगी कि उर्फी जावेद की नेटवर्थ कई रईसों से अधिक हैं। उर्फी की नेटवर्थ 170 करोड़ रुपये है। उर्फी सोशल मीडिया पोस्ट से खूब कमाई करती हैं। इसके अलावा वह कई रियल्टी शो में भी नजर आती रहती हैं। आपको बता दें कि उर्फी का जन्म 1997 में लखनऊ में हुआ था। उनकी स्कूली शिक्षा सिंटी मॉन्टेसरी से हुई है।उर्फी जावेद की आय का मुख्य स्रोत विज्ञापन ही हैं। इंस्टाग्राम पर उनके 40 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। उनकी रील्स और तस्वीरें कई बार खबरों में चर्चा का विषय बन जाती हैं। इस पॉपुलैरिटी के कारण उन्हें प्रोडक्ट स्पॉन्सर करने के लिए मोटी रकम मिलती है। उर्फी को ख्याति तो रियल्टी शो बिग बॉस से मिली लेकिन इस ख्याति को उचाइंयों पर उनके अतरंगी फैशन स्टाइल ने पहुंचाया।

हालांकि, बिग बॉस में आने से पहले उर्फी कई धारावाहिकों में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने दुर्गा, सात फेरे की हेराफेरी, बेपनाह, जीजी मां और ये रिश्ता क्या कहलाता है जैसे धारावाहिक में काम किया है।उर्फी की मासिक आय 1.8 करोड़ से 2.2 करोड़ रुपये बताई जाती है। वह किसी सीरियल के एक एपिसोड में आने के लिए 25,000 से 30,000 रुपये चार्ज करती हैं। फिलहाल वह मुंबई के एक आलीशान अपार्टमेंट में रहती हैं। उनके पास जीप की कंपस है जिसकी कीमत 25 लाख रुपये के आसपास है।

शिल्पा शेट्टी ने धूमधाम से किया गणपति विसर्जन

देशभर में गणेश चतुर्थी का त्योहार जोर-शोर से मनाया जाता है। कई बॉलीवुड सेलेब्स भी अपने घर पर गणपति बप्पा का स्वागत करते हैं। हर साल की तरह इस साल भी बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी गणपति बप्पा की मूर्ति अपने घर लेकर आईं। अब एक्ट्रेस ने बड़ी धूमधाम से गणपति बप्पा का विसर्जन किया।

इस साल शिल्पा शेट्टी का गणेश चतुर्थी विसर्जन उत्सव पिछले उत्सवों की भव्यता को पार कर गया। बॉलीवुड अभिनेत्री और फिटनेस एनथुसिएस्ट अपने उत्साहपूर्ण त्योहार समारोहों के लिए प्रसिद्ध हैं और इस वर्ष कोई अपवाद नहीं था। इस वर्ष के उत्सव में जो बात अलग थी, वह नासिक से ऑल-गर्ल ढोल बैंड का शामिल होना था, जिसमें 21 प्रतिभाशाली महिलाएं शामिल थीं।

शिल्पा शेट्टी अपने घर के बाहर गणपति विसर्जन के दौरान ढोल की थाप पर जमकर झूमती नजर आईं। इस दौरान शिल्पा लाइट पिंक कलर की पारंपरिक मराठी साड़ी और येलो ब्लाउज पहने नजर आईं। शिल्पा के साथ उनका परिवार भी जमकर डांस करता आया।

शिल्पा का गणेश चतुर्थी विसर्जन एकता, खुशी और सांस्कृतिक समृद्धि के प्रतीक में बदल गया है, जो त्योहार के वास्तविक सार को समाहित करता है। उनका उत्सव महिला-शक्ति की भावना का प्रतीक, महिलाओं के सशक्तिकरण और समर्थन के प्रति उनके समर्पण को दर्शाता है। ये उत्सव सकारात्मकता और खुशी फैलाता है, प्रतिभागियों के बीच अद्वितीय और यादगार संबंध बनाता है और लोगों को सांस्कृतिक समृद्धि के उत्सव में एकजुट करता है।

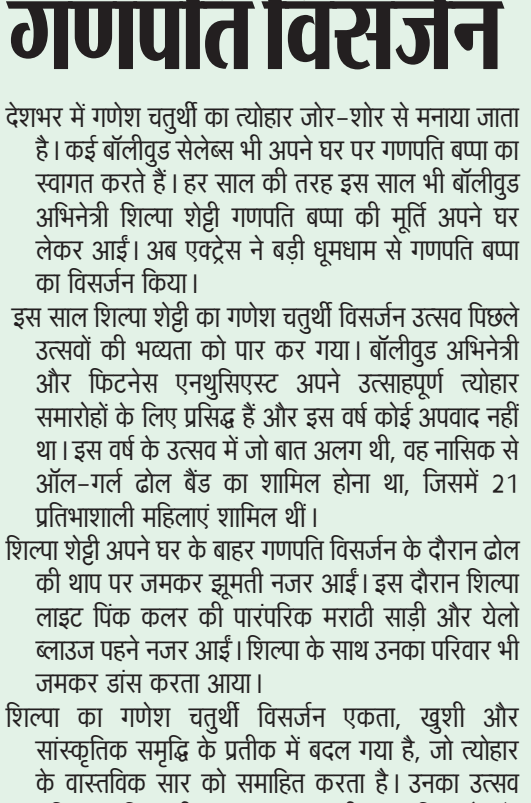

43 साल की हुईं करीना कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर 43 वर्ष की हो गई हैं। 21 सितंबर 1980 को मुंबई में जन्मीं करीना कपूर को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता रणधीर कपूर अभिनेता जबकि मां बबीता और बहन करिश्मा कपूर जानी मानी फिल्म अभिनेत्री थी। घर में फिल्मी माहौल रहने के कारण करीना अक्सर अपनी बहन के साथ शूटिंग देखने जाया करती थीं। इस वजह से उनका भी रूझान फिल्मों की ओर हो गया और वह भी अभिनेत्री बनने के ख्वाब देखने लगीं।

करीना कपूर ने बतौर अभिनेत्री अपने सिने करियर की शुरूआत साल 2000 में रिलीज फिल्म 'रिफ्यूजी' से की। इस फिल्म में उनके नायक की भूमिका अभिषेक बच्चन ने निभायी थी जो उनकी भी पहली फिल्म थी। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नही दिखा सकी। साल 2001 में रिलीज फिल्म 'मुझे कुछ कहना है' करीना के करियर की पहली सुपरहिट फिल्म साबित हुई।

साल 2001 में करीना को सुभाष घई की फिल्म 'यादें' में काम करने का अवसर मिला लेकिन कमजोर पटकथा के कारण यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिर गई। हालांकि उस वर्ष उनकी कभी खुशी कभी गम और अजनबी जैसी सुपरहिट फिल्में भी रिलीज हुई लेकिन कामयाबी का श्रेय इन फिल्मों के अभिनेताओं को अधिक दिया गया। 2002 में करीना कपूर के करियर के लिए महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ। इस वर्ष उनकी जीना सिर्फ मेरे लिये और मुझसे दोस्ती करोगे जैसी हिट फिल्में रिलीज हुई।

साल 2003 में करीना को सूरज बड़ज़ात्या की फिल्म 'मैं प्रेम की दीवानी हूं' में काम करने का अवसर मिला। इस फिल्म में रितिक रोशन और अभिषेक बच्चन जैसे सितारे थे बावजूद यह फिल्म कोई खास कमाल नही दिखा सकी। 2004 में करीना के अभिनय के नये आयाम देखने को मिले। इस वर्ष करीना की युवा, चमेली, हलचल और एतराज जैसी सुपरहिट फिल्में रिलीज हुई। सुधीर मिश्रा के निर्देशन में बनी फिल्म चमेली में करीना ने अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया। फिल्म में उनके दमदार अभिनय के लिये उन्हें फिल्म फेयर का पुरस्कार भी दिया गया।

साल 2006 में करीना कपूर की सुपरहिट फिल्म ओंकारा रिलीज हुई। विशाल भारद्वाज के निर्देशन में बनी फिल्म ओंकारा में करीना को उनके दमदार अभिनय के लिए फिल्मफेयर की ओर से क्रिटिक्स अवॉर्ड दिया गया। इसी वर्ष रिलीज फिल्म डॉन में करीना कपूर ने कैमियो किया। इस फिल्म में करीना ने हेलन के सुपरहिट गाने ये मेरा दिल यार का दीवाना पर डांस कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मौनी रॉय को सुल्तान ऑफ दिल्ली की रिलीज का इंतजार

एक्ट्रेस मौनी रॉय पहली स्ट्रीमिंग सीरीज सुल्तान ऑफ दिल्ली की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। सुल्तान ऑफ दिल्ली 13 अक्टूबर से डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। मौनी को सीरीज में किरदार के लिए उन्हें 200 आउटफिट्स और अपने बालों के साथ कई सारे एक्सपेरिमेंट करने पड़े।

मौनी इस बात से बेहद खुश हैं कि उन्हें एक बेहद स्टाइलिश किरदार निभाने का मौका मिला, जिसके लिए उन्हें काफी मेहनत करनी पड़ी। मौनी क्लासिक, खूबसूरत ड्रेस और हेयर-स्टाइल के साथ रेट्रो वाइब अपनाती नजर आएंगी। सुल्तान ऑफ दिल्ली अर्नब रे की किताब सुल्तान ऑफ दिल्ली- असेंशन पर बेस्ड है। यह स्ट्रीमिंग के लिए बनाई गई एक लार्जर दैन लाइफ मास एंटरटेनर है। इसमें अनुप्रिया गोयनका, हरलीन सेठी और महरीन पीरजादा के साथ ताहिर राज भसीन, अंजुम शर्मा, अनुभवी अभिनेता विनय पाठक और निशांत दहिया भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अपने लुक और किरदार के बारे में बात करते हुए मौनी ने कहा, हर एक लड़की को सजने-संवरने और एकदम अलग दिखने में मजा आता है। सुल्तान ऑफ दिल्ली में मुझे नयनतारा के रूप में हर एपिसोड में अपनी स्टाइल और कलर स्कीम का बदलने का मौका मिला। किरदार के लिए परफेक्ट लुक ढूंढना बेहद मुश्किल काम है और मैंने 200 से ज्यादा आउटफिट्स पहनीं है और अपने बालों के साथ भी कई एक्सपेरिमेंट किए है। उन्होंने आगे कहा, 10 से ज्यादा टेस्ट-लुक आजमाने के बाद, आखिरकार हमें वह मिल गया जो हम चाहते थे। नयनतारा अपने तरीके से कहानी में काफी ग्लैमर और चमक लाती हैं। यह पहली बार है जब मैं 60 के दशक का लुक अपना रही हूं और दर्शकों को मेरा यह पक्ष दिखाने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

मसाज करवाने के चक्कर में घायल हुई भारती

अपने ब्लॉग में मशहूर कॉमेडियन भारती ने खुलासा किया कि वह मसाज करवाने के चक्कर में घायल हो गई हैं। उनकी कमर पर चोट आ गई है और डॉक्टर ने उन्हें बेड रेस्ट के लिए बोला है। दरअसल, भारती सिंह ने अपने ब्लॉग में बताया कि बीते दिन वह अपने बेड पर से गिर गई थीं। इस वजह से उनकी पीठ में चोट लग गईं। भारती ने कहा, मेरी कमर में बहुत दर्द है, मैं कल बिस्तर से गिर गई। उन्होंने कहा, जिस वजह से वह बेड से गिरीं, तब वह हेड मसाज ले रही थीं और उनका फोन हाथ में ही था। वह बेड के किनारे पर बैठी हुई थीं और फोन की वजह से उनका ध्यान भटक गया। इस वजह से वह सीधा बेड पर से धड़ाम गिर गईं। भारती ने बताया कि यह उनके लिए इस वक्त काफी मजेदार था। गिरने के बाद वह खुद ही काफी ज्यादा हंसने लगीं। वीडियो में भारती ने खुलासा किया कि उन्हें पीठ में ज्यादा चोट लगी थी, जिसस वजह से हर्ष लिंबाचिया आते ही सबसे पहले उन्हें अस्पताल लेकर गए। यहां पर उनका एक्सरे किया गया, जिसमें उनकी हालत ठीक बताई गई है। डॉक्टर ने भारती को पूरी तरह बेड रेस्ट के लिए कहा है। हालांकि, कॉमेडियन भारती ने अपने फैंस को कोई चिंता नहीं करने को बोला है।

झामुमो रिश्वत मामलाः सुप्रीम कोर्ट 1998 के फैसले पर पुनर्विचार करेगी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय की सात सदस्यीय पीठ चर्चित 1993 झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रिश्वत मामले में शीर्ष अदालत के 1998 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले पर पुनर्विचार करेगी। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की संविधान पीठ ने बुधवार को यह फैसला लिया।

घरेलू विमान यात्रियों की संख्या में पिछले वर्ष की तुलना में 38.27 प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। इस साल के बीते आठ महीनों में देश के घरेलू विमान यात्रियों की संख्या तकरीबन 12 करोड़ हो गयी जो बीते साल की इस अवधि में हवाई यात्रियों की संख्या से 38 प्रतिशत अधिक है। नागर विमानन मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि घरेलू विमानन उद्योग ने 2023 के पहले आठ महीनों के दौरान यात्री यातायात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। नवीनतम डेटा विश्लेषण के अनुसार, जनवरी से अगस्त 2023 तक घरेलू एयरलाइनों द्वारा यात्रियों की संख्या 11 करोड़ 90 लाख 62 हजार तक पहुंच गई, जो कि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 38.27 प्रतिशत की वृद्धि है।

दिल्ली में स्पेशल 26 फिल्म से प्रेरित अपहरण करने वाला अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। चंडीगढ़ पुलिस का उपाधीक्षक (डिप्टी सुपरिटेंडेंट) बनकर वसूली करने वाले जालसाज को दिल्ली अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। स्पेशल 26 फिल्म से प्रेरित होकर अपराधी ने एक व्यक्ति का अपहरण कर उससे पांच लाख रुपये राशि की वसूली की है। यह घटना तीन साल पहले की है और तब से आरोपी फरार चल रहा था।

ईपीएफओ में जुलाई 18.75 लाख अंशधारक जुड़े

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने जुलाई 2023 में 18.75 लाख नए अंशधारक जोड़े हैं जिनमें 3.86 महिला अंशधारक हैं। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने यहां बताया कि इस वर्ष जुलाई में पिछले महीने (जून) की तुलना में 85,932 अधिक अंशधारक जोड़े गये हैं। पिछले तीन महीनों से नये अंशधारकों की वृद्धि जारी है।

जुलाई में कर्मचारी राज्य बीमा निगम में 19.88 लाख कर्मचारी शामिल

नई दिल्ली। कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) में मौजूदा वर्ष जुलाई में 19.88 लाख नए कर्मचारियों का ईएसआई योजना में नामांकन किया गया है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने यहां जारी आंकड़ों में बताया कि जुलाई, 2023 में 19.88 लाख नए कर्मचारी जोड़े गए हैं। इसी माह में लगभग 27,870 नए प्रतिष्ठानों का पंजीयन किया गया है और इन्हें कर्मचारी राज्य बीमा निगम की सामाजिक सुरक्षा के आंतर्गत लाया गया है।

एक और स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, ई-मेल में लिखा- बम से उड़ा दूंगा, मौके पर बम निरोधक दस्ता

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के एक और स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी मिलने के बाद दिल्ली पुलिस और अन्य टीम मौके पर पहुंच गई हैं और जांच की जा रही है। इससे पहले भी कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। जानकारी के अनुसार, आरके पुरम स्थित एक स्कूल में धमकी भरा ई-मेला आया है। मेल में स्कूल को बम से उड़ने की धमकी दी गई है। सूचना के बाद दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता, दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची।

आर के पुरम सेक्टर 3 लाल बहादुर शास्त्री स्कूल की प्रिंसपल के पास बम रखने की मेल आई। इसके बाद पुलिस को 8:25 की कॉल की गई। सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। तुरंत स्कूल को खाली कराया गया है। स्कूल की जांच की गई। जांच के बाद सूचना फर्जी मिली।

अमृता पब्लिक स्कूल में बम रखने की मिली थी सूचना

इससे पहले 16 मई को दिल्ली के साकेत के पुष्प विहार स्थित अमृता पब्लिक स्कूल में बम रखे होने की सूचना मिली थी। बम की सूचना ईमेल के जरिए दी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस और अन्य टीम मौके पर पहुंची थी। स्कूल में चेकिंग अभियान शुरू किया गया था। सभी जगह चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान पुलिस को कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

26 अप्रैल को दिल्ली पब्लिक स्कूल को मिली थी धमकी

26 अप्रैल को मथुरा रोड स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल को ई-मेल के जरिए बम की धमकी मिली थी। स्कूल प्रशासन की ओर से 8:10 पर पीसीआर कॉल के जरिए स्कूल में बम होने की जानकारी दी थी। जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। जांच के बाद संदिग्ध चीज नहीं मिली थी।

12 अप्रैल को मिली थी इंडियन पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी

12 अप्रैल को साउथ दिल्ली के डिफेंस कॉलोनी थाना इलाके के सादिक नगर में स्थित इंडियन पब्लिक स्कूल को बम से उड़ाने की मिली थी। धमकी के बाद अफरा-तफरी मच गई थी। स्कूल प्रशासन द्वारा परिजनों के व्हाट्सएप ग्रुप पर मैसेज जारी कर यह बताया गया कि वह तुरंत स्कूल पहुंचकर अपने बच्चों को घर ले जाएं। यह मैसेज मिलते ही स्कूल के बाहर काफी भीड़ जमा हो गई थी। हालांकि जांच के बाद कुछ नहीं मिला था

सुप्रीम कोर्ट लोकसभा, विधानसभाओं में एससी/एसटी को आरक्षण बढ़ाने के सवाल पर विचार करेगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने लोकसभा और विधानसभाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति को अगले 10 सालों तक आरक्षण बढ़ाने का प्रावधान करने वाले संविधान के 104वें संशोधन अधिनियम 2019 की वैधता पर विचार का बुधवार को फैसला किया।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने आरक्षण बढ़ाने के प्रावधान की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर विचार करने के लिए 21 नवंबर की तारीख मुकर्रर की है। पीठ ने यह स्पष्ट किया कि वह पहले के संशोधनों के माध्यम से एससी/एसटी आरक्षण के लिए दिए गए पिछले विस्तार की वैधता पर विचार नहीं करेगी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर विचार करेगी कि क्या संविधान (104वां संशोधन) अधिनियम 2019 असंवैधानिक है और क्या अनुच्छेद 334 के तहत आरक्षण की अवधि की समाप्ति के लिए निर्धारित अवधि को बढ़ाने के लिए संशोधन की घटक शक्तियों का प्रयोग संवैधानिक रूप से वैध है। यह सवाल संविधान के अनुच्छेद 334 से उत्पन्न हुआ, जिसमें प्रावधान था कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एससी/एसटी और एंग्लो-इंडियन के लिए आरक्षण संविधान के प्रारंभ होने के 10 साल बाद प्रभावी नहीं होगा।

यह सवाल संविधान के अनुच्छेद 334 से उत्पन्न हुआ, जिसमें प्रावधान था कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एससी/एसटी और एंग्लो-इंडियन के लिए आरक्षण संविधान के प्रारंभ होने के 10 साल बाद प्रभावी नहीं होगा।

कर्नाटक को झटका! सर्वोच्च न्यायालय ने कावेरी जल प्राधिकरण के आदेश में हस्तक्षेप से किया इनकार

ग्रेटर नोएडा। सुप्रीम कोर्ट ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। दरअसल आदेश के तहत कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने कर्नाटक को आदेश दिया था कि वह तमिलनाडु को 5000 क्युसेक पानी जारी करे। प्राधिकरण ने 18 सितंबर को यह आदेश दिया था और आदेश के तहत कर्नाटक को 28 सितंबर तक तमिलनाडु को पानी देना था।

हालांकि सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहे कर्नाटक ने इस आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी, जहां से अब कर्नाटक सरकार को झटका लगा है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण के आदेश में कोई भी हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने प्राधिकरण को हर 15 दिन में बैठक करने का निर्देश दिया है। कावेरी जल विवाद बीते दिनों उस वक्त फिर चर्चा में आ गया, जब तमिलनाडु सरकार ने कर्नाटक से अपने जलाशय के जल में से 24 हजार क्युसेक पानी प्रतिदिन देने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। वहीं कर्नाटक का कहना है कि इस बार कम बारिश की वजह से राज्य को सूखे जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। इस वजह से कर्नाटक ने पानी छोड़ने में असमर्थता जताई थी।

क्या है कावेरी जल विवाद

कावेरी नदी को 'पोन्नी' कहा जाता है। यह दक्षिण पश्चिम कर्नाटक के पश्चिमी घाट की ब्रह्मगिरी पहाड़ी से निकलती है। यह नदी कर्नाटक से तमिलनाडु राज्यों में होकर पुडुचेरी से होते हुए बंगाल की खाड़ी में गिरती है। कावेरी जल विवाद आजादी से पहले के दो समझौतों 1892 और 1924 के चलते है। इन समझौतों के तहत किसी भी निर्माण परियोजना, जैसे कावेरी नदी पर जलाशय के निर्माण के लिए ऊपरी तटवर्ती राज्य को निचले तटवर्ती राज्य की अनुमति लेना जरूरी है। साल 1974 में कर्नाटक ने तमिलनाडु की सहमति के बिना पानी मोड़ना शुरू कर दिया, जिससे दोनों राज्यों में पानी को लेकर विवाद हो गया। इस मुद्दे को हल करने के लिए साल 1990 में कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण की स्थापना की गई।

निर्वाचन आयोग के मतदाता जागरूकता अभियान में ' चाचा चौधरी और साबू' भी

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने मतदाताओं, खास कर युवा मतदाताओं को जागरूक करने और मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करने के अपने अभियान में कॉमिक बुक 'चाचा चौधरी और चुनावी दंगल' को शामिल किया है।

चाचा चौधरी कॉमिक्स की अपार लोकप्रियता को देखते हुए, एक अनूठी पहल 'चाचा चौधरी और चुनावी दंगल' नामक एक कॉमिक बुक का विमोचन बुधवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार और चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडे तथा अरुण गोयल द्वारा निर्वाचन सदन में किया गया।

श्री कुमार ने कहा कि कॉमिक बच्चों को चुनाव प्रक्रिया की कल्पना करने में मदद करेगा और यह पुरानी पीढ़ी को अपने पहले के दिनों को फिर से ताजा करने में भी मदद करेगा।

आयोग की एक विज्ञप्ति के अनुसार कॉमिक बुक ईसीआई और प्राण कॉमिक्स की एक संयुक्त पहल है जिसे युवाओं को लोकतंत्र के त्योहार में अपना नामांकन करने और भाग लेने के लिए प्रेरित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें प्रसिद्ध कार्टूनिस्ट स्वर्गीय प्राण कुमार शर्मा द्वारा प्रस्तुत प्रतिष्ठित कार्टून पात्रों चाचा चौधरी, साबू, बिल्लू को दिखाया गया है।

आयोग ने कहा है कि यह भारत निर्वाचन आयोग और प्राण कॉमिक्स की साझा पहल है। सीईसी राजीव कुमार ने अनुसार कॉमिक आज के डिजिटल युग में भी विशिष्ट और प्रासंगिक है।

आयोग की विज्ञप्ति में कहा गया,÷चाचा चौधरी और साबू के किरदार सभी पीढ़ियों के पाठकों के दिलों में एक विशेष स्थान रखते हैं, क्योंकि उन्होंने अपने मनोरम संवादों और बातचीत से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है और गर्मजोशी और पुरानी यादों को ताजा किया है।'' मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि डिजिटल मीडिया के इस युग में भी आउटरीच माध्यम के रूप में कॉमिक्स प्रासंगिक और विशिष्ट है। ये कॉमिक चरित्र, अपनी सार्वभौमिक अपील और ईमानदारी, दया और करुणा जैसे मूल्यों पर बल देने के साथ चुनाव से संबंधित जानकारी को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने के लिए एक आकर्षक मंच प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि यह माध्यम, चुनाव आयोग को युवाओं के साथ प्रभावी ढंग से जुड़ने में सक्षम बनाता है, जो कम उम्र से ही सूचित और जिम्मेदार नागरिकता की भावना को बढ़ावा देता है।

चुनाव आयुक्त पांडे ने कहा कि कॉमिक बुक ने नैतिक चुनाव, सहभागी लोकतंत्र, बाहुबल और धन बल जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को बहुत ही स्पष्ट और पाठक के अनुकूल तरीके से प्रस्तुत करने का प्रयास किया है ताकि बच्चों और वयस्कों को समान रूप से प्रभावित किया जा सके।

चुनाव आयुक्त गोयल ने कहा कि कॉमिक बुक में चुनाव प्रक्रिया के बारे में हास्य के साथ-साथ एक सकारात्मक और रचनात्मक संदेश है और यह युवा और भविष्य के मतदाताओं को चुनाव प्रक्रिया में बढ़ी हुई भागीदारी के लिए प्रेरित करता है।

सांसदों को मिली नारी शक्ति वंदन विधेयक की डिजीटल प्रतियां

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर नये संसद भवन में सदन के कामकाज में कागज का उपयोग कम करने के लिए सांसदों को विधेयकों एवं अन्य संसदीय दस्तावेज डिजीटल प्रारूप में उपलब्ध कराने का फैसला किया है।

लोकसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार श्री बिरला ने नयी संसद के निर्माण शुरू होने के समय ही डिजीटल कामकाज को बढ़ावा देने के लिए नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी उपकरणों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए।

सूत्रों के अनुसार संसदीय दस्तावेज सदस्यों के पोर्टल पर अपलोड किए जाते हैं और पिछले तीन वर्षों में सदस्य आसानी से इन्हें डाउनलोड करके इनका उपयोग कर रहे हैं। बल्कि संसद सदस्यों ने डिजीटल तकनीक की मदद से विधेयकों और अन्य संबंधित दस्तावेजों की जांच और अध्ययन के बाद कई महत्वपूर्ण कानून पारित किए हैं।

सूत्रों ने कहा कि पोर्टल का उपयोग करना बहुत आसान है और इसके प्रभावी उपयोग के लिए सदस्यों और उनके निजी कर्मचारियों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाता है। सितंबर-2020 से ही इस सुविधा का उपयोग किया जा रहा है और यह पहल पर्यावरण-अनुकूल और पेपरलेस कार्यस्थल को बढ़ावा देने की संसद की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। फिर भी, जब कभी सचिवालय के समक्ष सदस्यों द्वारा कोई मांग रखी जाती है तो उन सदस्यों को संसदीय दस्तावेजों और विधेयकों की काग़ज़ी प्रतियां भी उपलब्ध कराई जाती हैं।

सूत्रों ने बताया कि वर्ष 2020 से सुस्थापित प्रथा को ध्यान में रखते हुए, संविधान (128वां संशोधन) विधेयक (नारी शक्ति वंदन विधेयक 2023) की डिजिटल कॉपी सदस्यों के पोर्टल पर पहले ही अपलोड कर दी गई थी। इसके अलावा, संसद के नए भवन में, इस विधेयक को लोकसभा कक्ष में प्रत्येक सदस्य के लिए उपलब्ध कराए गए आधुनिक डेस्कटॉप डिजीटल मल्टी-मीडिया यूनिट पर भी अपलोड किया गया था। इस प्रकार सभी सदस्यों के लिए संवैधानिक संशोधन विधेयक उपलब्ध था जो उनके डेस्कटॉप उपकरणों पर अपलोड किया गया था। इसके अलावा, जब भी मांग की गई, उन सदस्यों को काग़ज़ी प्रतियां भी उपलब्ध कराई गईं।

सम्मिट इंडिया का अंतरराष्ट्रीय अभियान

नई दिल्ली। भारत की अध्यक्षता में जी20 का सदस्य बने अफ्रीकी संघ के देशों में भारत को लेकर किस तरह का उत्साह और सोच बनी है इसका एक नज़ारा इस साल के अंत में सम्मिट इंडिया के अंतरराष्ट्रीय अभियान के तहत अफ्रीकी महाद्वीप के केन्या में मैराथन दौड़ का आयोजन में देखने को मिलेगा। इसके साथ ही केन्या सरकार के सहयोग से भारत वंशी अफ्रीकन जनों कें लिये अयोध्या की तरह एक भव्य राम मंदिर बनाने की पहल की जा रही है।

सम्मिट इंडिया के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने केन्या चैप्टर का अध्यक्ष डॉ स्वरूप रंजन मिश्रा को नियुक्त किया है जो वहां के संसद सदस्य है और सत्तारूढ़ पार्टी के राष्ट्रीय संगठक भी है।

सम्मिट इंडिया का ब्रांड भारत और वसुधैव कुटुंकम्ब के महाअभियान के दिशा में वियतनाम में अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक एवं सांस्कृतिक संवाद की शुरुआत भी इस वर्ष दिसम्बर में एक महासम्मेलन की ज़रिये शुरू किया जाएगा। इसके लिए वियतनाम चैप्टर का अध्यक्ष जय प्रकाश मिश्रा नियुक्त किया गया है।

सम्मिट इंडिया के महासचिव महेश वर्मा ने आज यहाँ यह जानकारी देते हुए बताया कि ब्रांड भारत आज जिस कदर अफ्रीका में सर चढ़कर बोल रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता के बीच केन्या में राम मंदिर का निर्माण करने से जाहिर होता है। इससे भारत के विश्व बंधुतत्व को भी बल मिलेगा। इसके लिये एक प्रतिनिधि मंडल जल्द ही श्री जाजू के नेतृत्व में केन्या जाएगा। जिसमें उत्तर प्रदेश चैप्टर के प्रमुख पूरण डावर सहित 10 लोग को शामिल किया गया है। श्री श्री रविशंकर और श्री राम जन्म भूमि न्यास समिति के सदस्य भी इसमें होंगे। इसी प्रकार से वहाँ विश्व के नंबर वन धावको के साथ मैराथन के जरिये मंदिर निर्माण से पूरे अफ्रीका महाद्वीप के देशों को जोड़ा जाएगा। इसके लिए डॉ मिश्रा की बड़ी भूमिका होगी।श्री वर्मा ने बताया कि डॉ मिश्रा का जन आरोग्य संस्थान पूरे अफ्रीकावासियो को सेवा देता है ऐसे में उनके हाथ इसका बागडोर देना उचित प्रतीत हुआ और सम्मिट इंडिया के केंद्रीय संगठन ने इस पर अपनी सहमति की मुहर लगाई है। वियतनाम में वहां के चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के पूर्व अध्यक्ष रहे भारतीय मूल के श्री जय प्रकाश का अनुभव भारत के साथ वियतनाम की व्यापारिक और सांस्कृतिक साझेदारी को सांझा करने की एक बड़ी पहल दिसम्बर में होगी।

भारत और अमेरिकी सेना हिन्द प्रशांत क्षेत्र के सेना प्रमुखों के सम्मेलन की मेजबानी करेंगी

नई दिल्ली। भारतीय और अमेरिकी सेना अगले सप्ताह सोमवार से यहां हिन्द प्रशांत क्षेत्र के सेना प्रमुखों के 13 वें सम्मेलन की मेजबानी करेंगी जिसमें 35 देशों के 150 प्रतिनिधियों के हिस्सा लेने की संभावना है। सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एम वी सुचिन्द्र कुमार ने बुधवार को यहां मानेकशॉ सेंटर में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस सम्मेलन का थीम' शांति के लिए एकजुटःहिन्द प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता' है। सम्मेलन के दौरान हिन्द प्रशांत क्षेत्र के देशों के सेना प्रमुख और वरिष्ठ अधिकारी सुरक्षा तथा अन्य प्रसांगिक विषयों पर विचारों का आदान प्रदान करेंगे। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हिन्द प्रशांत क्षेत्र में परस्पर समझ, संवाद और मैत्री के माध्यम से शांति तथा स्थिरता को बढावा देना है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान भी उद्घाटन समारोह में हिस्सा लेंगे। सम्मेलन का आयोजन मानेकशॉ सेंटर में किया जायेगा और इसके विभिन्न सत्रों में करीब 150 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। सम्मेलन की शुरूआत सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे और अमेरिकी सेना के उप प्रमुख जनरल रेंडी जॉर्ज के संयुक्त संवाददाता सम्मेलन से होगी।

वृहद भारत फेडरेशन बनाने के लिए मगध फाउंडेशन सरकार को देगी प्रस्ताव : त्रिपाठी

नई दिल्ली। मगध फाउंडेशन की प्रस्तावित कोर कमेटी की बैठक के आयोजन के संदर्भ में मंगलवार को यहाँ प्रेस क्लब में मीडियाकर्मियों के साथ एक सम्मेलन आयोजित किया गया।

मीडिया सम्मलेन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए मगध फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष के एन त्रिपाठी ने कहा कि मगध फाउंडेशन 250 ई0 पूर्व मगध साम्राज्य से अलग हुए देशों जो कि भारत के करीबी रिश्ते वाले देश हैं , उनके साथ मिलकर एक ग्रेटर इंडिया फेडरेशन (वृहद् भारत संघ) बनाने का प्रस्ताव भारत सरकार को सौंपेंगी।

श्री त्रिपाठी ने कहा कि भविष्य में ग्रेटर इंडिया फेडरेशन के लिए एक एकीकृत सैन्य बल बनाने की भी योजना बनाई जाए। ग्रेटर इंडिया फेडरेशन की योजना सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने पर भी केंद्रित है ताकि महासंघ के मित्र देशों जैसे कि अफगानिस्तान, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार (बर्मा) और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों की मदद की जा सके। यह देश भारत के साथ सांस्कृतिक और राजनीतिक संबंध साझा करते हैं। हमारा लक्ष्य है कि सीमा सुरक्षा और कल्याण के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ग्रेटर इंडिया फेडरेशन के निर्माण की तरफ ध्यान दे।

ज्ञातव्य हो कि मगध फाउंडेशन अपने कार्य को भारत में तेजी से कर कर रही है। देश के सभी राज्यों से आये हुए संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति (एनडब्ल्यूसी) के सदस्यों की बैठक 21 सितम्बर 2023 को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब नयी दिल्ली में होगी। उस बैठक में ग्रेटर इंडिया फेडरेशन निर्माण के लिए और भारत के प्रजातंत्र को मजबूत करने के लिए संवैधानिक संशोधन करने जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा होगी एवं फैसला लिये जाने के पश्चात इस फैसले को मांग के रूप में भारत के माननीय राष्ट्रपति महोदया को सुपूर्द किया जाएगा।

इस सम्मेलन में केंद्रीय समिति के सदस्य राकेश शंकर शेट्टी, एम जितेंद्र के साथ ही मगध फाउंडेशन के महासचिव डॉ. अजय ओझा, केंद्रीय समिति के सदस्य सी एस दुबे, के डी सिंह, देवाशीष दत्ता, डॉ शूलपाणि सिंह, तमिलनाडू स्टेट हेड वेंकटेश रामराज, राजस्थान स्टेट हेड डॉ. वरूण पुरोहित, कार्यकारिणी समिति के सदस्य परमदेव सिंह और मुमताज अंसारी भी मौजूद रहे।

कनाडा संग रिश्ते हो रहे और तल्ख, भारत ने अपने नागरिकों के लिए जारी किया परामर्श

नई दिल्ली। सरकार ने कनाडा में बढ़ती भारत विरोधी गतिविधियों, राजनीति प्रेरित घृणा अपराधों और आपराधिक हिंसा को देखते हुए वहां रह रहे सभी भारतीय नागरिकों और वहां यात्रा पर जाने के इच्छुक लोगों से अत्यधिक सावधानी बरतने और भारतीय मिशनों के सतत संपर्क में रहने का आग्रह किया है। विदेश मंत्रालय ने आज यहां एक यात्रा परामर्श जारी करके यह आग्रह किया है। कनाडा में हाल ही में विशेष रूप से उन भारतीय राजनयिकों और भारतीय समुदाय के उन वर्गों को धमकाने का काम किया गया है जो भारत विरोधी एजेंडे का विरोध करते हैं।

परामर्श में कहा गया है, इसलिए भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे कनाडा के उन क्षेत्रों और संभावित स्थानों की यात्रा करने से बचें जहां ऐसी घटनाएं हुई हैं।

खबर दृष्टिकोण स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210